RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 135 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 2 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

झीरम कांडः हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

मामले की जांच एनआईए नहीं राज्य सरकार की एजेंसी करेगी

राजनीतिक साजिश का है आरोप

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को तगड़ा झटका लगा है। जस्टिस आरसीएस सामंत और जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल की डिवीजन बेंच ने प्रदेश के बहुचर्चित झीरम घाटी हत्याकांड में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की अपील को खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद अब राज्य सरकार झीरम घाटी हत्याकांड के राजनीतिक षडयंत्रों की जांच कर सकती है।

प्रदेश में कांग्रेस के सरकार बनने के बाद झीरम घाटी हत्याकांड में दिवंगत उदय मुदलियार के बेटे जितेंद्र मुदलियार ने दरभा थाने में साल 2020 में हत्या और षडयंत्र का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस में दर्ज इस आपराधिक प्रकरण को एनआईए ने जगदलपुर की विशेष अदालत में चुनौती दी थी। केस को एनआईए को सौंपने की मांग भी की थी, लेकिन विशेष अदालत ने आवेदन को खारिज कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ एनआईए ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान ही हाईकोर्ट ने इस प्रकरण की जांच पर रोक लगा दी थी, तब से मामले की सुनवाई लंबित थी और राज्य सरकार जांच शुरू नहीं कर पाई थी। बुधवार को डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाते हुए एनआईए की अपील को खारिज कर दिया है।

ट्रायल कोर्ट को केस ट्रांसफर का अधिकार नहीं

राज्य शासन की तरफसे अतिरिक्त महाधिवक्ता ओटवानी ने कहा कि ट्रायल कोर्ट को इस केस को ट्रांसफर करने का अधिकार नहीं था। प्रावधान के अनुसार एक एफआईआर को दूसरे प्रकरण में ट्रांसफर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि झीरम घाटी हत्याकांड वृहद राजनीतिक षडयंत्र है, जिस पर एनआईए ने जांच नहीं की है। यही वजह है कि इस मामले में राज्य पुलिस ने अलग से अपराध दर्ज किया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब राज्य शासन इस मामले की जांच कर सकेगी।

9 फरवरी को डिवीजन बेंच ने की थी सुनवाई

इससे पहले 8 फरवरी को एनआईए की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के एडिशनल सालिसिटर जनरल विक्रम जीत बनर्जी और हाईकोर्ट के असिस्टेंट सालिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने बहस की। उन्होंने एनआईए एक्ट का हवाला देकर तर्क प्रस्तुत किया। कहा कि जिस मामले की एनआईए जांच कर चुकी है, उस पर राज्य शासन को जांच करने का अधिकार नहीं है। जांच का कोई बिंदु है तो उसे एनआईए के समक्ष रखा जा सकता है। उनकी बहस पूरी होने के बाद 9 को शासन की तरफसे अतिरिक्त महाधिवक्ता सुनील ओटवानी ने पक्ष रखा। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर आज फैसला आया है।

एनआईए के आदेश को बताया था अपवाद

वहीं दूसरी ओर हस्तक्षेपकर्ता व पुलिस में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने वाले जितेंद्र मुदलियार की तरफ से अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव बहस की। उन्होंने एनआईए एक्ट को अपवाद बताया। साथ ही कहा कि किसी भी अपराध की जांच का जिम्मा राज्य पुलिस को होता है। एनआईए किसी विशेष प्रकरण की ही जांच कर सकती है।

क्या है झीरम घाटी कांड

साल 2013 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल के नेतृत्व में प्रदेश भर में परिवर्तन रैली का आयोजन किया गया था। 25 मई 2013 को परिवर्तन रैली सुकमा में हुई। रैली खत्म होने के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर के लिए निकला था। नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल, महेंद्र कर्मा, विद्याचरण शुक्ला, उदय मुदलियार समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता 25 गाड़ियों में सवार थे। तभी शाम करीब 4 बजे झीरम घाटी के पास नक्सलियों ने पेड़ गिराकर काफिले को रोक दिया और फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में कांग्रेस के ज्यादातर दिग्गज नेताओं की हत्या कर दी गई। कवासी लखमा को नक्सलियों ने छोड़ दिया था। वहीं, अजीत जोगी सुकमा से हेलीकाप्टर से रवाना हो गए थे।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की तरह बनेगा अचानकमार टाइगर रिजर्व, वन्य जीव बोर्ड की बैठक में निर्णय, जल्द शुरू होगा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की मंशा के अनुरूप काम हुआ तो तो जल्द ही अचानकमार टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश के कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान की तरह देश और दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। विश्व प्रसिद्ध कान्हा उद्यान की तरह अचानकमार को विकसित करने की सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में वन्य जीव बोर्ड की बैठक में इस पर निर्णय लिया जा चुका है। उक्त बातें वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कही।

बिलासपुर के छत्तीसगढ़ भवन में पत्रकारों से चर्चा के दौरान वन मंत्री अकबर ने कहा कि मध्य प्रदेश के कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व को पर्यटकों के लिए विकसित किया जाएगा। वन्यजीव बोर्ड के अध्यक्ष मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में निर्णय लिया गया है। आने वाले दिनों में ष्ठक्करू तैयार कर इस कार्य को मूर्तरूप दिया जाएगा। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में टूरिज्म को बढ़ावा देने कान्हा किसली की तर्ज पर मुंगेली के अचानकमार टाइगर रिजर्व को विकसित किया जाएगा। यहां टूरिस्ट को कान्हा किसली जैसी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने वनों की अवैध कटाई रोकने और कानन पेंडारी मिनी जू में लगातार वन्यजीवों की मौत के मामले पर जांच कर कार्यवाही करने की बात भी कही है।

कान्हा को बनाने वाली एजेंसी को किया गया हायर

वन मंत्री मो. अकबर ने अचानकमार टाइगर रिजर्व को कान्हा किसली की तरह विकसित करने की योजना पर जल्द काम शुरू होने की बात कही। उन्होंने कहा कि वन्य जीव बोर्ड की बैठक में इसका फैसला लिया गया है। वन्य जीव बोर्ड के मुख्यमंत्री अध्यक्ष हैं और मैं उसका उपाध्यक्ष हूँ। अचानकमार को कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान की तरह विकसित करने कान्हा किसली को बनाने वाली एजेंसी को हायर किया गया है। अचानकमार टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के लिए सारी सुविधाएं होंगी। दूसरे प्रदेशों के पर्यटक भी छत्तीसगढ़ आएंगे। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

वन्य जीवों की मौत व शिकार पर जवाब देने से बचे

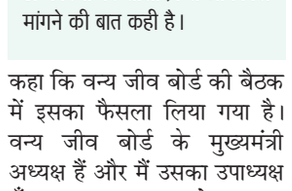

बिलासपुर प्रवास पर आए वन मंत्री मोहम्मद अकबर से मीडिया ने प्रदेश में लगातार वन्य जीवों की मौत, वन्यप्राणियों के खाल की तस्करी और वनों की कटाई पर सवाल दागे। इससे मंत्री थोड़ा उखड़ गए। अकबर ने सीधा सपाट जवाब दिया कि विभाग हर मामले में कार्रवाई कर रहा है। वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग सजग है। कानन में वन्यजीव की मौत मामले में वन मंत्री ने कहा कि डॉक्टर्स की रिपोर्ट को ही मानना पड़ेगा। हिप्पोपोटामस (दरियाई घोड़ा) की मौत पर वन मंत्री ने कहा कि डॉक्टर की रिपोर्ट पर भरोसा नहीं करेंगे तो किस पर करेंगे। वन मंत्री मीडिया के सवाल पर कहने लगे कि कहीं शिकायत है तो बताइये। हम कार्रवाई जरूर करेंगे। वन मंत्री ने सीपत, भैसाझार में अवैध कटाई और कानन की अव्यवस्था पर सीसीएफसे जानकारी मांगने की बात कही है।

खास-खबर

खारकीव में रूसी सेना ने किया बड़ा धमाका, 21 लोगों की मौत की खबर

कीव (एजेंसी)। कीव पर कब्जे की जंग निर्णायक मोड़ पर आ गई है। 64 किलोमीटर लंबा रूसी सैन्य काफिला कीव के बाहर कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं वहीं दक्षिण-पूर्व से भी एक अन्य सैन्य काफिले की बढ़ने की खबर सामने आई है। यह सब तब हो रहा है, जब पुतिन की ओर से कीव छोड़ने या फिर मरने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी गई है। खारकीव में एयरट्रूपर्स उतारने के बाद रूसी सेना ने हमले तेज कर दिए हैं। अस्पताल पर हमले के बाद खारकीव से एक और बड़े धमाके की खबरे सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि, इस हमले में 21 लोगों की मौत हो गई, वहीं 112 लोग घायल हुए हैं। कीव पर कब्जे को लेकर छिड़ी जंग में यूक्रेन से बड़ी संख्या में पलायन हो रहा है। राजधानी कीव से सामने आई ट्रेनों में भीड़ की तस्वीर डराने वाली हैं। इस बीच सामने आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक करीब सात लाख से ज्यादा लोग यूक्रेन छोड़कर पड़ोसी देशों में रहने लगे हैं। यह संख्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की वतन वापसी के लिए भारतीय वायु सेना के लिए दो विमान रोमानिया और हंगरी के लिए रवाना हो गए। इन दोनों विमानों ने हिंडन एयरबेस से उड़ान भरी।

शेयर बाजार में जोरदार गिरावट, सेंसेक्स 900 अंक टूटा, निफ्टी 16600 से नीचे आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीसरे कारोबरी दिन बुधवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार के दोनों सूचकांक लाल निशान पर कारोबार करते नजर आए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 697 अंक की कमी के साथ 55,549 के स्तर पर खुला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी सूचकांक ने 187 अंक टूटकर 16,606 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। फिलहाल, सेंसेक्स 918 अंक फिसलकर 55,329 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 16,600 के स्तर से नीचे आ चुका है और 232 अंक की गिरावट के साथ 16,552 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। गौरतलब है कि मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर शेयर बाजार बंद रहा था। वहीं इससे पिछले कारोबारी सत्र सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 389 अंक की बढ़त के साथ 56,247 के स्तर पर बंद हुआ था, वहीं एनएसई का निफ्टी 129 अंक की तेजी के साथ 16,787 के स्तर पर बंद हुआ।

कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए सीजी बोर्ड की परीक्षा शुरू, प्रदेश में सामने आए 79 मामले

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण ग्राफ बहुत तेजी गिर रहा है। वहीं पॉजिटिविटी दर भी 1 प्रतिशत से नीचे है। मंगलवार को प्रदेश में 79 नए केस मिले, और पिछले 24 घंटे में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई है। राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1287 हो गई है। इस महामारी से अब तक 14 हजार 28 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं कोरोना संक्रमण के बीच बोर्ड की परीक्षाएं भी आज से ऑफ्लाइन शुरू हो गई है।

मंगलवार को 10 हजार 304 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 79 मरीज मिले हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर घटकर 0.77 प्रतिशत हो गई है। हॉस्पिटल से 6 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 183 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है। पॉजिटिविटी दर भी 1 प्रतिशत से कम है।

कोरोना के बीच बोर्ड की ऑफलाइन परीक्षा शुरू

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कोरोना की गाइडलाइन का पालन करते हुए 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाएं ऑफ्लाइन ली जा रही है। बुधवार 2 मार्च से 12वीं की परीक्षा की शुरुआत हुई। वहीं 3 मार्च से 10वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू होगी। कोरोना संक्रमण को देखते हुए इस बार प्रदेश में 6787 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कक्षा 12वीं की परीक्षा 2 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक चलेंगी। वहीं कक्षा दसवीं की परीक्षा 3 मार्च से 23 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 3 मार्च से 11 मार्च तक आयोजित की जाएगी।

दंतेवाड़ा में पुलिस-नक्सलियों के बीच मुठभेड़, डीआरजी जवानों ने 3 लाख के इनामी नक्सली को मार गिराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकले जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हो गई। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और मुंहतोड़ जवाब दिया, जिसके बाद नक्सली जंगल का फायदा उठाकर भाग खड़े हुए। क्षेत्र की सर्चिंग करने पर एक नक्सली का शव मिला है। मारे गए नक्सली की पहचान माओवादी संगठन दरभा डिवीजन के प्लाटून नंबर 31 के सदस्य लखमा कवासी के रूप हुई है। उक्त नक्सली पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

दंतेवाड़ा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों ने 3 लाख के इनामी नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया है। कटेकल्याण थाना क्षेत्र से डीआरजी की टीम सर्चिंग पर तुमकपाल-अरजलपारा के जंगलों में निकली थी। क्षेत्र में कटेकल्याण एरिया कमेटी के 10-15 सशस्त्र नक्सलियों के जमावड़े की सूचना मिली थी। जवान सर्चिंग करते हुए ग्राम तुमकपाल-अरजलपारा के जंगल में पहुंची थी कि पहाड़ी में पहले से घात लगाए नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग झोंक दी। जवानों ने भी तत्काल मोर्चा संभाला। करीब आधे घंटे तक दोनों ओर से फायरिंग हुई। डीआरजी की जबावी कार्रवाई से नक्सली जंगल व पहाड़ी का फायदा उठाकर भाग खड़े हुए।

विस्फोटक सामान और देशी पिस्टल बरामद

मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की सर्चिंग करने पर एक पुरुष माआवेदी का शव जवानों ने बरामद किया। इसके अलावा एक नग देशी पिस्टल, 05 किलो वजनी एक आईईडी, एक नग नक्सल वर्दी, पिटटू, वायर, नक्सल साहित्य एवं दैनिक उपयोगी की सामग्री बरामद की गई है। मुठभेड़ में मारे गये नक्सली की पहचान प्रतिबंधित माओवादी संगठन दरभा डिवीजन के प्लाटून नंबर-31 के सदस्य लखमा कवासी निवासी कोडोपाल थाना कटेकल्याण जिला-दंतेवाड़ा के रूप में हुई है। मारा गया माओवादी कई घटनाओं में शामिल रहा था। एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने माओवादियों से अपील की है कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर कर मुख्य धारा में लौट आएं।

छत्तीसगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े दिल्ली व यूपी के तस्कर, 2 करोड़ का गांजा जब्त, नारियल में छिपाकर ले जा रहे थे हरियाणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। अवैध कामों को अंजाम देने तस्कर क्या-क्या तरीका नहीं अपनाते। गांजा तस्करों ने इस बार फिर नया तरीका अपनाया, लेकिन उनकी चालाकी काम नहीं आई और छत्तीसगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़ गए। ट्रक में नारियल के नीचे 1050 किलो गांजा छिपाकर तस्करी करते दो अंतर्राज्यीय तस्करों को कोंडागांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की कीमत 2 करोड़ 10 लाख रुपए आकी गई है। पुलिस ने दिल्ली व यूपी के तस्कर को गिरफ्तार किया है।

कोंडागांव एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेटाडोर ट्रक में भारी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर कोंडगांव की तरफआ रहे हैं। सूचना पर प्वाइंट दिया गया और पुलिस ने मर्दापाल तिराहा के पास नाकेबंदी की। वाहनों की तलाशी के दौरान जगदलपुर की तरफ से मेटाडोर ट्रक आई, जिसे जवानों ने रुकवाया। ट्रक में भारी मात्रा में नारियल लदा हुआ था। ट्रक में सवार बदरपुर नई दिल्ली निवासी रवि हसन (31) और ग्राम रजावाल थाना गोंडा जिला-अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) निवासी राकेश कुमार (22) से पूछताछ की गई। दोनों गोलमोल जवाब देने लगे। इसके बाद ट्रक की जांच की गई। तब नारियल के नीचे प्लास्टिक की बोरियों में 38 पैकेट में 1050 किलो गांजा बरामद किया गया।

दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया

कोंडागांव एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि भारी मात्रा में गांजा की तस्करी करते दो अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। रवि हसन दिल्ली और राकेश कुमार अलीगढ़ का रहने वाला है। दोनों तस्कर आंध्र प्रदेश से भारी मात्रा में गांजा लेकर छत्तीसगढ़ के रास्ते हरियाणा जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर कोंडागांव पुलिस ने दोनों को दबोचा है। सिटी कोतवाली में मामला पंजीबद्ध कर दोनों तस्करों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ओडिशा से गांजा लेकर आते हैं तस्कर

छत्तीसगढ़ से ओडिशा का सीमा लगा हुआ है। जगदलपुर के धनपुंजी नाके के बाद ओडिशा के कोरापुट और जैपुर जिले से तस्कर गांजा की तस्करी करते हैं। सीमा पर कई गांजा तस्करी का मामला फूट चुका है, लेकिन तस्करी थम नहीं रहा है। मुखबिर की सूचना पर कई तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ जाते हैं तो कुछ जानकारी नहीं मिलने पर निकल जाते हैं। ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते बड़ी मात्रा में गांजा की तस्करी का मामला लगातार सुर्खियों में है।

युद्ध का असरः कच्चे तेल के दाम में फिर लगी आग, पांच फीसदी महंगा हुआ, भारत की बढ़ेगी परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष तेज हो चुका है और इसके साथ ही कच्चे तेल के दाम में भी आग लग गई है। बुधवार को ब्रेंट क्रुड की कीमत में पांच डॉलर प्रति बैरल का इजाफा हुआ और यह अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इस जोरदार तेजी के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 160 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। इसका भारत समेत दूसरे देशों पर बुरा असर होने वाला है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर रूस और यूक्रेन के बीच जंग और आगे बढ़ती है तो कच्चे तेल का दाम और आगे बढ़ सकता है। इससे भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर बुरा असर पड़ेगा और ये 10 से 15 रुपये तक महंगे हो सकते हैं। गौरतलब है कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के अनुरूप देश में खाने-पीने की चीजों पर महंगाई भी बढ़ेगी, क्योंकि माल ढुलाई का खर्च बढ़ जाएगा।

ओडिशा में भीषण सड़क हादसाः पेड़ से टकराई कार छत्तीसगढ़ के 6 लोगों की मौत, सभी एक ही परिवार के

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा में एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के निवासी हैं। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे नुआपाड़ा जिले के जोंक थाना अंतर्गत सुनसुनिया में यह हादसा हुआ है। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर कर पेड़ से टकराई। इस हादसे में एक बालक व एक महिला समेत कुल 6 लोगों की मौत हुई है। सभी शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सभी मृतक छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के बसना थाना क्षेत्र के ग्राम रसोड़ा के निवासी है। सभी एक शादी समारोह में शामिल होने सिंधीकेला ओडिशा जा रहे थे। सुनसुनिया स्थित महामाया कॉलेज के पास नुआपड़ा-बरगढ़ बीजू एक्सप्रेस-वे पर पहुंचे ही थे कि ड्राइवर सुकनाथ का नियंत्रण कार से हट गया। तेज रफ्तार कार क्रमांक सीजी 06 जीएफ 2753 सड़क से 10 फीट नीचे उतरकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में प्रदीप मल्लिक (50 वर्ष), बसंती मल्लिक (45 वर्ष), जगदीश साहू (45 वर्ष), मानस साहू (12), शत्रुघन प्रधान (65 वर्ष) व सुकनाथ भोई (50) की मौके पर मौत हो गई।

हादसे की खबर से गांव में मातम, आज अंतिम संस्कार

घटना मंगलवार दोपहर तीन बजे के आसपास की बताई जा रही है। हादसे की सूचना पर जोंक व नुआपड़ा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। शाम होने की वजह से पीएम नहीं हो पाया था। इधर महामसुंद जिले के ब्लॉक मुख्यालय बसना के ग्राम रसोड़ा निवासी 6 लोगों की मौत की खबर से पूरा गांव शोक में डूब गया। महाशिवरात्रि पर आयोजित सभी कार्यक्रम सामान्य पूजन कर रद्द कर दिए गए। मृतकों का शव नुआपड़ा (ओडिशा) से छत्तीसगढ़ आने के बाद बुधवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

संपादकीय

बिगड़ते हालात

सोमवार को बेलारूस सीमा पर जब युद्धरत रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों की बातचीत शुरू हुई थी, तब एक उम्मीद बंधी थी कि शायद और अनर्थ होने से बचने की कोई सूरत निकल आए और खून-खराबे का दौर थम जाए। लेकिन वार्ता की नाकामी के बाद यह जंग अब एक बदसूरत मोड़ ले चुकी है। खबर है कि बेलारूस के हमले के साथ इसमें तीसरे पक्ष का प्रवेश हो चुका है और यह लड़ाई विश्व युद्ध की ओर बढ़ चली है। नाटो देश पहले ही प्रच्छन्न रूप से हथियारों व दूसरे संसाधनों से यूक्रेन की मदद कर रहे थे, अब यदि कोई देश सीधे उतर आया है, तो नाटो देशों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। जाहिर है, दुनिया के तमाम देशों को अपनी रणनीति नए सिरे से बनानी पड़ेगी, क्योंकि काफी सारे देश संयुक्त राष्ट्र से पृथक तरह-तरह के समझौतों में हितों की साझेदारी करते हैं। भारत जैसे देशों के लिए संतुलन साधने की चुनौती और अधिक उलझ गई है। रूस हमारा भरोसेमंद मित्र देश है और यूक्रेन से मधुर रिश्तों की गवाही हजारों छात्रों की वहां मौजूदगी देती है।

> भारत जैसे देश के लिए तो चुनौती इसलिए भी गंभीर हो गई है कि हमारे पड़ोस में दो देश दशकों से हमारी परेशानियां बढ़ाते रहे हैं। कहते हैं, कठिन स्थितियों में ही किसी देश के राजनय की परीक्षा होती है। केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे बच्चे और कोई नुकसान उठाए बगैर यूक्रेन से सुरक्षित स्वदेश लौटें। इस युद्ध में भारत का रुख अब तक संतुलित रहा है, मगर आने वाले दिन उसके कठिन इम्तिहान के होंगे।

ऐसे में, यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खारकीव में भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा की मौत बेहद दुखद है और देश अपने उन बच्चों की सलामती के लिए दुआएं मांग रहा है, जो अभी वहां फंसे हुए हैं। सोमवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक में सरकार ने 'ऑपरेशन गंगा' को युद्ध-स्तरीय स्वरूप देने और यूक्रेन से लगे चार पड़ोसी देशों में अपने चार वरिष्ठ मंत्रियों को भेजने का फैसला किया था, ताकि उन सरकारों के सहयोग से अपने लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। यूक्रेनमें रह रहे भारतीयों के लिए दूतावास ने कल एक एडवायजरी भी जारी की थी कि वे जल्द से जल्द राजधानी कीव छोड़ दें, पर दुर्योग से कीव और खारकीव के हालात तेजी से बिगड़ते चले गए और तमाम अप्रिय समाचारों में एक पीड़ादायक सूचना नवीन के बारे में हमें मिली। यकीनन, इस खबर के बाद सरकार पर जल्द से जल्द वहां से सभी भारतीयों को निकालने का दबाव बढ़ गया है। चिंता की बात यह है कि यह काम अब कहीं अधिक जटिल हो चुका है। रूसी सेना ज्यादा आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही है और खारकीव के गवर्नर के मुताबिक, वह नागरिक ठिकानों को भी निशाना बना रही है। किसी भी युद्ध में दावों-प्रतिदावों की प्रामाणिकता हमेशा संदिग्ध होती है, और सच्चाई सिर्फ भुक्तभोगियों के साथ होती है। यह युद्ध भी थमेगा, मानवता को गहरे जख्म देकर, लेकिन इसके दुष्प्रभाव वर्षों तक दुनिया को सिहरन देते रहेंगे। कोरोना महामारी ने संसार भर के मुल्कों में गरीबों और कम आय वाले लोगों की जिंदगी मुश्किल बना रखी है। अब इस युद्ध के बाद एक बार फिर देशों के बीच अपनी फौजों को मजबूत करने की होड़ मचेगी, और जन-सरोकार के विषयों को हाशिये पर धकेला जाएगा। भारत जैसे देश के लिए तो चुनौती इसलिए भी गंभीर हो गई है कि हमारे पड़ोस में दो देश दशकों से हमारी परेशानियां बढ़ाते रहे हैं। कहते हैं, कठिन स्थितियों में ही किसी देश के राजनय की परीक्षा होती है। केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे बच्चे और कोई नुकसान उठाए बगैर यूक्रेन से सुरक्षित स्वदेश लौटें। इस युद्ध में भारत का रुख अब तक संतुलित रहा है, मगर आने वाले दिन उसके कठिन इम्तिहान के होंगे।

अध्ययन यही बताते हैं कि हर शहर यह जानता है कि वह किस हद तक प्रदूषण को खुद में समेट सकता है, लेकिन हम उसे अनसुनी कर देते हैं। लिहाजा, बदलती जीवनशैली के हिसाब से शहरीकरण और उसके विस्तार का खाका खींचने की जरूरत है। हमें इसके लिए मापदंड बनाने होंगे। हमें विकास भी चाहिए और प्रदूषण से मुक्ति भी। इसके लिए शहरों का विकेंद्रीकरण एक बेहतर उपाय है।

बेढब शहरों की बड़ी भारी कीमत

मंजू मोहन, पूर्व प्रमुख, सेंटर फॉर ऐट्मस्फेरिक साइंस, आईआईटी

सोमवार को जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) ने अपनी छठी मूल्यांकन रिपोर्ट के दूसरे भाग को जारी करते हुए यह चेतावनी दी कि यदि कार्बन उत्सर्जन को जल्द नियंत्रित नहीं किया गया, तो वैश्विक स्तर पर गरमी और आर्द्रता असहनीय हालात पैदा करेंगे, और यह स्थिति भारत जैसे देशों को कहीं ज्यादा प्रभावित करेगी। पहली बार आईपीसीसी की समिति ने अलग-अलग प्रांतों की समीक्षा की है, लेकिन दुर्भाग्य से यह रिपोर्ट उतनी चर्चा नहीं बटोर सकी, जितनी दरकार थी। अभी तमाम देशों की नजर रूस और यूक्रेन की जंग पर है, जबकि युद्ध प्रदूषण का एक बड़ा कारक है। रणभूमि में जितने भी गोला-बारूद या हथियार आदि इस्तेमाल किए जाते हैं, वे काफी मात्रा में प्रदूषण और एरोसॉल (महीन ठोस और तरल कणों की गैस के रूप में मौजूदगी) पैदा करते हैं। सुपरसोनिक और जंगी विमानों की गिनती भी बड़े प्रदूषकों में होती है। इतना ही नहीं, जलवायु मुद्दों पर लगने वाली पूंजी भी युद्ध की तरफ मोड़ दी जाती है, जिससे पर्यावरणीय मसले अनछुए रह जाते हैं।

लिहाजा, यह कहना उचित होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले मुद्दों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का मौका हम गंवा रहे हैं। अभी हमें एक-दूसरे से उलझने के बजाय एकजुटता दिखानी चाहिए और साझा मुद्दों पर लड़ना चाहिए। ऐसा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि पर्यावरण को हमने हद से अधिक बर्बाद कर दिया है। हालिया वर्षों में चक्रवाती तूफान, मानसून आदि की आवृत्ति बढ़ गई है और चरम मौसमी परिघटनाएं भी लगातार घट रही हैं। समुद्र का तापमान इतनी तेजी से बढ़ता जा रहा है कि तटीय इलाकों के लिए काफी विषम परिस्थितियां पैदा हो रही हैं।

आईपीसीसी की नई रिपोर्ट में शहरीकरण को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं। बताया गया है कि शहर और शहरी केंद्र वैश्विक तापमान को बढ़ाने में लगातार योगदान दे रहे हैं। अनियोजित शहरीकरण पर्यावरण पर नकारात्मक असर डालता है। आंकड़े भी तस्दीक कर रहे हैं कि शहर न सिर्फ अपने तापमान को वैश्विक गरमी के लिहाज से अनुकूल बना रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तापमान को प्रभावित कर रहे हैं। रिपोर्ट की मानें, तो अनियोजित शहरीकरण ने न सिर्फ गरमी, बल्कि एरोसॉल बढ़ाने का भी काम किया है। इनसे मौसम एवं जलवायु लगातार प्रभावित हो रहे हैं। शहरों में ऊंची-ऊंची इमारतें बन गई हैं, जिनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां 'री-रेडीएट' (विकिरण को अवशोषित करने के बाद फिर से विकिरण करना) करती हैं। नतीजतन, रात का न्यूनतम तापमान बढ़ चला है। यह वृद्धि उन उपकरणों से भी हो रही है, जो सुविधा के नाम पर शहरों में दिन-रात इस्तेमाल किए जा रहे हैं या फिर हर वक्त सड़कों पर दौड़ने वाली गाड़ियों के कारण।

एक हालिया अध्ययन बताता है कि शहरीकरण के कारण बढ़ने वाला तापमान तूफान और गरज के साथ बिजली जैसी मौसमी परिघटनाओं की बारंबारता बढ़ा रहा है। बारिश पर भी इसका असर पड़ता है। हमने देखा भी है कि इन दिनों न सिर्फ तेज बारिश आने की आवृत्ति बढ़ी है, बल्कि चरम मौसमी घटनाओं में भी तेजी आई है। आईपीसीसी की रिपोर्ट बताती है कि मध्यम श्रेणी वाली बारिश के बरसने की दर कम हुई है, जबकि तेज बारिश की दर बढ़ी है। बढ़ती वैश्विक गरमी ने मानसून को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

यह रिपोर्ट भारत को लेकर बहुत अच्छी तस्वीर नहीं दिखा रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि वादे के मुताबिक अगर उत्सर्जन कम कर लिया गया, तब भी उत्तरी और तटीय भारत के कई इलाकों में इस शताब्दी के अंत तक 'वेट-बल्ब' तापमान (गरमी और आर्द्रता को एक साथ मापने वाला मापक) 31 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहेगा। हालांकि, नीतिगत मोर्चे पर हमारी सरकार ने काफी अच्छा काम किया है। हमने आबोहवा सुधारने को लेकर अच्छी कार्ययोजना बनाई है और उस पर हम संजीदगी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के लिहाज से अब 2030 के उस लक्ष्य की ओर हम बढ़ गए हैं, जिसकी राह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिखाई है। हमें अब अक्षय ऊर्जा (फिर चाहे वह सौर हो या पवन ऊर्जा) पर अधिक से अधिक निर्भरता और कोयले के इस्तेमाल को अधिक से अधिक हतोत्साहित करने की दिशा में काम करना चाहिए। इतना ही नहीं, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की तरफ भी हमें काफी अधिक गंभीरता दिखानी होगी। हरित पट्टियों पर जोर देना होगा और शहरों में जंगली क्षेत्र का विस्तार करना भी बहुत जरूरी है। हां, पराली जलाना या प्लास्टिक आदि का कचरा भी हमारी आबोहवा के लिए एक बड़ा खतरा है, जिनके खिलाफ कमर कसने की आवश्यकता है।

मगर दिक्कत यह है कि ये तमाम नीतियां कागजों पर जितनी मजबूत है, जमीन पर उतनी नहीं दिखतीं। जाहिर है, जनता के स्तर पर काफी काम किए जाने की जरूरत है। तंत्र को इस दिशा में सक्रिय होना पड़ेगा और आम लोगों को लगातार जागरूक करना होगा।

अनियोजित शहरीकरण के उपाय जल्द से जल्द तलाशने भी जरूरी हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि हमें शहरीकरण से ही तौबा कर लेना चाहिए, लेकिन बीच का रास्ता जरूर निकालना चाहिए। अच्छी बात है कि हाल के वर्षों में वैकल्पिक रास्ते की खोज बढ़ चली है और शहरों की सड़कों पर इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी अब दिखने लगी हैं। हमें यह समझना ही होगा कि हरेक शहर के विस्तार की एक सीमा होती है। चंद शहरों पर क्षमता से अधिक भार डालने का एक नतीजा वायु प्रदूषण के रूप में हम झेल रहे हैं। अध्ययन यही बताते हैं कि हर शहर यह जानता है कि वह किस हद तक प्रदूषण को खुद में समेट सकता है, लेकिन हम उसे अनसुनी कर देते हैं। लिहाजा, बदलती जीवनशैली के हिसाब से शहरीकरण और उसके विस्तार का खाका खींचने की जरूरत है। हमें इसके लिए मापदंड बनाने होंगे। हमें विकास भी चाहिए और प्रदूषण से मुक्ति भी। इसके लिए शहरों का विकेंद्रीकरण एक बेहतर उपाय है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया की नई अहमियत

जयंतीलाल भंडारी, अर्थशास्त्री

हाल ही में 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा क्षेत्र पर आम बजट के सकारात्मक प्रभाव पर आयोजित कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में हो रहे बदलावों के मद्देनजर आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान की अहमियत बढ़ गई है। खासतौर से अब रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना बेहद जरूरी हो गया है। निस्संदेह, रूस और यूक्रेन संकट के मद्देनजर भारत के लिए यह सबक उभरकर दिखाई दे रहा है कि आत्मनिर्भरता के लिए तेजी से कदम बढ़ाने जरूरी हैं। ऐसे में, देश में विशेष आर्थिक क्षेत्र विकास, मेक इन इंडिया अभियान की सफलता और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन पर पूरा ध्यान देना होगा। साथ ही, निर्यात बढ़ाने पर ध्यान देना होगा, तभी देश आत्मनिर्भरता की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान विशेष आर्थिक क्षेत्रों से हुई निर्यात वृद्धि देश से हुई कुल निर्यात वृद्धि की तुलना में कम रही है। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत ने अप्रैल-नवंबर 2022 के दौरान 418.56 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात किया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 36 फीसदी ज्यादा है। वहीं इस दौरान सेज से निर्यात 31 फीसदी बढ़कर करीब 87.95 अरब डॉलर मूल्य का हो गया है। सेज से सॉफ्टवेयर और सर्विस सेक्टर के निर्यात की हिस्सेदारी विनिर्माण के निर्यात की हिस्सेदारी की तुलना में काफी अधिक बनी हुई है। इसमें दोराय नहीं, अब विशेष आर्थिक क्षेत्र की नई अवधारणा व नए निर्यात प्रोत्साहनों से देश को दुनिया का प्रमुख निर्यातक देश बनाए जाने और आयात में कमी लाने की संभावनाएं भी उभरकर दिखाई दे रही हैं। गौरतलब है कि 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा गया कि सरकार द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र अर्थात सेज के वर्तमान स्वरूप को बदला जाएगा। सेज संबंधी नए नियम इसी वर्ष 30 सितंबर तक लागू किए जाएंगे। सेज का नया नाम डेवलपमेंट ऑफइंटरप्राइजेज ऐंड सर्विस हब, डीईएसएच या 'देश' होगा।

वस्तुत: देश में वर्ष 2000 से शुरू हुई सेज की अवधारणा का मकसद मैन्युफैक्चरिंग करने वाली निर्यात आधारित इकाइयों को अच्छे बुनियादी ढांचे व न्यूनतम कागजी कार्रवाई के साथ विशेष प्रोत्साहन देकर निर्यात को बढ़ाना व अर्थव्यवस्था को गतिशील करना रहा है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के मुताबिक, इस समय देश में 258 सेज कार्यरत हैं। यदि हम सेज की शुरुआत से अब तक के सेज का अध्ययन करें, तो पाते हैं कि बड़ी संख्या में सेज की अधिसूचना रद्द किए जाने तथा अधिसूचित सेजों के खाली पड़े रहने का प्रमुख कारण इसके तहत दिए जाने वाले कर लाभ एवं छूट को लेकर नीतियों की अस्पष्टता रही है। यद्यपि सेज का मूल लक्ष्य निर्यात को तेज गति देना रहा है, लेकिन सेज इसमें नाकाम रहे हैं। इतना ही नहीं, सेज के निर्यात परिदृश्य पर चीन से चुनौती सामने खड़ी है। साथ ही, साथ भारत के मुकाबले कई छोटे-छोटे देश मसलन बांग्लादेश, वियतनाम, थाईलैंड ने अपने विशेष निर्यात क्षेत्रों में सुविधाओं का अंबार लगाकर भारतीय निर्यातकों के सामने कड़ी प्रतिस्पर्द्धा खड़ी कर दी है। सेज से जुड़ी योजनाओं को पूरी मुस्तैदी से लागू करना जरूरी है। 'प्लग ऐंड प्ले मॉडल' के तहत देशी-विदेशी निवेश के साथ नए उपक्रमों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाना है। प्लग ऐंड प्ले व्यवस्था के तहत उद्योगों को सभी बुनियादी सुविधाएं, मसलन, बिजली, पानी व सड़क जैसी सुविधाएं तैयार मिलेंगी और उद्योग सीधे उत्पादन शुरू कर सकेंगे। योजना अच्छी है, पर इसे साकार करना होगा।

रूस और यूक्रेन संकट से जहां देश की निर्यात चुनौतियां बढ़ी हैं, वहीं संभावनाएं भी बढ़ी हैं। रूस के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार इस वित्त वर्ष में जनवरी 2022 तक करीब नौ अरब डॉलर और यूक्रेन के साथ करीब 2.3 अरब डॉलर रहा है। अत: अब इन दोनों देशों को निर्यात में कमी आएगी। लेकिन कमोबेश पूरे यूरोप में भारतीय निर्यात बढ़ने की संभावना है। अब पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है कि भारत अपने लिए बन रही संभावनाओं का यथोचित लाभ उठाए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

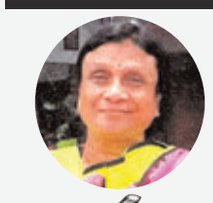

थोड़ा दूर क्यों हो दोस्तों, पास आओ अपनी खैर-खबर तो दो।

-अंजली जैन
7024460938

विनय मेडिकल स्टोर्स
सभी प्रकार के अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाई के विल्हर विक्रेता
मो.-9329766891
शॉप नं.-15, महात्मा गांधी मार्केट, अग्रेसन चौक, दुर्ग (छ.ग.)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्री सांई शूज कलेक्शन
जूते, चप्पल एवं पंजाबी जूती की विशाल श्रृंखला
Roshi 9302834546
मेनोनाईट चर्च के सामने, जी.ई. रोड. दुर्ग (छ.ग.)

डिम्पी ज्वेलर्स
सजेश भोरकर 9907157053
राकेश भोरकर 9302830835
आजाद चौक, कसारीडीह, दुर्ग (छ.ग.)

स्थानांतरण
लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल भैय्या
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

NJ
सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
राजहंस राजस्थानी थाली रेस्टोरेन्ट
शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था
पार्सल की सुविधा उपलब्ध
भागीरथ पंचारिया मो.- 9893302026
हरित जोशी मो.- 7000515894
होटल न्यू इंडिया के नीचे, पोलसाय पारा चौक, दुर्ग (छ.ग.)

With Best Service and Quality Since Last 28 Years
कृष्णा ऑप्टिकल्स
आँखों की निःशुल्क जांच की जाती है
तुरंत चश्मा प्राप्त करें
krishnaopticalsdurg.com ahujav67@gmail.com krishna_opticals_1993 krishnaoptical'sdurg
नये बस स्टैण्ड के सामने, सौभग्य कॉम्पलेक्स, दुर्ग 98279 53331
मातोश्री काम्पलेक्स, महाराजा चौक, दुर्ग 93031 07850

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्पलेक्स के पास
दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

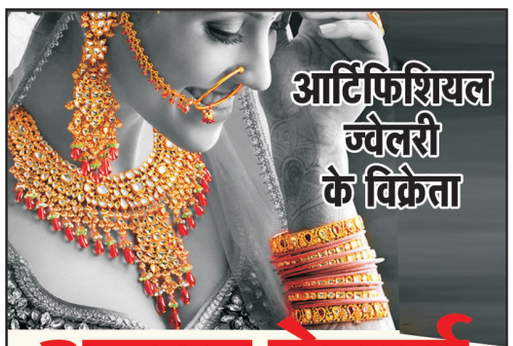

अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंडिया ने 56 नवदम्पत्तियों को दिया आर्शीवाद

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया आज बालोद जिले के दल्लीराजहरा में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में शामिल हुई। उन्होंने वहां आयोजित सामूहिक विवाह में 58 नवदंपतियों को सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। सामूहिक विवाह का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ परिसर में परिवारजनों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संवेदनशील सोच है कि बेटियों का विवाह बिना किसी पारिवारिक खर्च के आसानी से हो, इसी सोच के चलते उन्होंने योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले राशि पन्द्रह हजार रूपए से बढ़ाकर पच्चीस हजार रूपए देने का निर्णय लिया। इससे मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन और अच्छे से सम्पन्न हो रहा है।

जानवर के काटने पर एंटी-रेबीज़ वैक्सीन अवश्य लगवाएं

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग ने रेबीज से बचाव के लिए जानवरों के काटने पर घाव को तत्काल साबुन या एंटिसेप्टिक से 15 से 20 मिनट तक बहते पानी से धोने की सलाह दी है। विभाग ने रेबीज से बचने के लिए घर के पालतू जानवरों कुत्ता, बिल्ली या अन्य पशुओं को जरूरी टीका लगवाने की अपील की है। कुत्तों को तीन महीने की उम्र में टीका लगवाना चाहिए। टीके के प्रकार के अनुसार हर तीन वर्ष में इसकी एक अतिरिक्त डोज भी लगवानी चाहिए। रेबीज नियंत्रण के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र गहवई ने बताया कि एक बार रेबीज होने के बाद इससे बचा नहीं जा सकता है। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में रेबीज से बचाव एवं प्रबंधन के बारे में डॉक्टरों द्वारा जानकारी दी जाती है। रेबीज जानलेवा बीमारी है।

छत्तीसगढ़ की नवाचारी योजनाएं दिखा रही है पूरे देश को रास्ता : भूपेश बघेल

नवाचारी योजनाओं से आ रहा बदलाव, विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ अपनी नवाचार योजनाओं के माध्यम से पूरे देश को रास्ता दिखा रहा है। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के लिए लागू की गई ये योजनाएं बड़ा बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश में आवारा मवेशियों की समस्या बड़े पैमाने पर है और वहां भी छत्तीसगढ़ के विकास मॉडल को लागू करने पर विचार किया जा रहा है। किसानों के फसलों के उचित मूल्य देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने जो फैसला लिया है।

उसने पूरे देश में किसानों के मन में फसल के उचित दाम को लेकर आकांक्षा जगाई है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज दुर्ग जिले के पाटन विकासखण्ड के ग्राम कौही में जल संसाधन विभाग की 52 करोड़ रूपए की लागत की विकास योजनाओं और क्रेडा की 5 करोड़ 55 लाख रूपए लागत की विकास योजनाओं के लोकार्पण और भूमिपूजन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े बदलाव हो रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से खेती-किसानी को मजबूत बनाया जा रहा है। वहीं ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना के माध्यम से हम 8000 गौठान से 63 लाख क्विंटल गोबर खरीद चुके हैं और किसानों के खाते में 126 करोड़ रुपए की राशि पहुंच गई है। कृषि के अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सरकार द्वारा कई नई पहल की गई है। पूरे प्रदेश में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना में 172 इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले गए हैं इनमें से 6 स्कूल पाटन ब्लाक में ही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ग्रामीणों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश में किसान बहुत जागरूक हैं हमने पैरा दान का आह्वान किया और लोगों ने बड़ी संख्या में पैरा दान किया। देशभर में पराली का संकट छाया हुआ है लेकिन हमने गौठान के माध्यम से इसके उचित उपयोग का रास्ता दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कौही में आज जो लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से खेतों में सीधे सिंचाई के बजाय तालाबों में पानी भरा जाएगा और वहां से सिंचाई होगी। इस प्रकार से होने वाली सिंचाई सामान्य सिंचाई की तुलना में 4 गुना अधिक प्रभावी होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को अलग-अलग समय पर पानी की जरूरत होती है, इसके लिए तालाब भरे रहें ताकि आवश्यकता पड़ने पर किसानों को पानी दिया जा सके। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री अशोक साहू एवं सभापति श्री रमण टिकरिया भी उपस्थित थे।

तालाब भराई योजनाओं का लोकार्पण-भूमिपूजन- मुख्यमंत्री ने कौही में जरवाय तथा तेलीगुण्डरा में तालाब भराई योजनाओं का लोकार्पण किया। इनकी लागत क्रमशः 87 लाख रुपये तथा 84 लाख रुपए है। इसके साथ ही उन्होंने खर्रा एवं तर्रीघाट में तालाब भराई योजनाओं का भूमि पूजन भी किया। इनकी लागत क्रमशः 89 लाख रुपये तथा 57 लाख रुपये होगी।

जलसंसाधन विकास योजनाओं का भूमिपूजन - मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 9.51 करोड़ रुपए की लागत से केसरा उदवहन सिंचाई परियोजना, 9.76 करोड़ रुपए की लागत से निपानी एनीकट, 13.53 करोड़ रुपये की लागत से किकिरमेटा उदवहन, 2.73 करोड़ रुपए की लागत से भरर जलाशय, 2.37 करोड़ रुपए की लागत से झाड़मोखली तथा ग्राम डीघारी में 3.17 करोड़ रुपए की लागत से निस्तारी तालाबों का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने कुम्हली जलाशय के कार्यों का भूमि पूजन किया। किकिरमेटा जलाशय के मरम्मत के लिए दो करोड़ 99 लाख रुपये के कार्यों, फ्लड प्रोटेक्शन के लिए दो करोड़ 87 लाख रुपये के कार्यों, रानीतराई निरीक्षण गृह की फर्निशिंग तथा टेमरी निरीक्षण गृह के निर्माण का भूमि पूजन भी किया।

छत्तीसगढ़ की शिक्षिका श्रीमती पूनम उर्मलिया को राष्ट्रीय आईसीटी पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल कैम्प-1 भिलाई की शिक्षिका श्रीमती पूनम उर्मलिया को राष्ट्रीय आई.सी.टी. पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने नई दिल्ली के अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय भवन के नालंदा सभागार में 28 फरवरी को आयोजित पुरस्कार समारोह सेरेमनी फॉर स्कूल टीचर्स में श्रीमती पूनम उर्मलिया को प्रमाण-पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में उन सभी स्कूली शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने सूचना और संचार तकनीक का प्रयोग कर शिक्षण को बच्चों के लिए रोचक और ग्राह्य बनाया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा बच्चों को सूचना तकनीक से परिचित कराने के लिए भिलाई के शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल को 10 कम्प्यूटर प्रदान किए गए थे। शिक्षिका श्रीमती पूनम उर्मलिया ने इन कम्प्यूटर्स में डिफेन्स ओपन एजुकेशन रिसोर्सेस का इंस्टॉलेशन कराया, जिससे स्कूल के बच्चे जो पहली बार कम्प्यूटर की तकनीक को समझने में सफल हुए। शिक्षिका श्रीमती पूनम ने टाटा संस्थान मुंबई से रिफेक्टिव टीचिंग विथ आई.सी.टी. का कोर्स भी किया है, जिसका लाभ विद्यालय के बच्चों को मिला। नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में केन्द्रीय संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा एवं साक्षारता विभाग श्री एल.एस. चांग, निदेशक एनसीईआरटी डॉ. निदेश प्रसाद सकलानी, संयुक्त निदेशक सी.आई.ई.टी. श्री अमरेन्द्र प्रसाद बेहरा भी उपस्थित थे।

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. डहरिया ने किया क्रिकेट प्रतियोगिता सीपीएल टी-20 का उद्घाटन

खिलाड़ियों की मांग पर की डीजल रोलर प्रादन करने की घोषणा, सररगुजा रॉयल्स को भिलाई इंडियंस ने हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग सीपीएल टी-20 क्रिकेट टुर्नामेंट का उद्घाटन किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए डॉ. डहरिया ने कहा कि यह टुर्नामेंट छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक प्रतिभा को संवारने का काम करेगी, ग्रामीण और वनांचल क्षेत्र के यूवा प्रतिभाओं को बड़ा अवसर मिल रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों की मांग पर पिच बानाने के लिए डीजल रोलर तत्काल प्रदान करने की घोषणा की।

खिलाड़ियों की मांग पर की डीजल रोलर प्रादन करने की घोषणा

छत्तीसगढ़ खेल के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि उद्घाटन मैच एसीसी भिलाई इंडियंस और सरगुजा रॉयल्स

के मध्य खेला गया, सरगुजा रॉयल्स ने टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, पहले बल्लेबाजी करते हुए भिलाई इंडियंस ने दिलराज भाटिया के 27 रनों की बदौलत 17.2 ओवर्स में सभी विकेट खोकर 141 रन बनाये, जबाव में सरगुजा रॉयल्स की भी खराब शुरुआत हुई जिससे वह उबर नही पाई और 20 ओवर में 9 विकेट पर 87 रन ही बना सकी, चंद्रहास वर्मा ने 3 ओवर में 3 रन देकर 3 विकेट हासिल किए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष खिलेश देवांगन, सचिव विकास बजाज सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ खेल कांग्रेस और वीर स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है।

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन कराने जिला प्रशासन प्रतिबद्ध

रायपुर। जिला प्रशासन नारायणपुर द्वारा विगत 3 वर्षों से सफलता पूर्वक अबूझमाड़ पीस हाफमैराथन का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी ने कहा कि मैराथन का अगला सीजन का आयोजन करने जिला प्रशासन पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। अभी मैराथन आयोजन के सम्बंध में तारीख का एलान नही किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस दौड़ का मकसद माड़ में पूर्ण शांति का पैगाम देना है। इस आयोजन को जिलेवासियों के सहयोग से आयोजित किया जाता रहा है। इस आयोजन से अबूझमाड़ में पहले से ज्यादा शांति हुई है। नारायणपुर जिला अब धीरे-धीरे नक्सल खौफसे उभरने लगा है। इस जिले में खेल-खिलाड़ियों ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिये है।

वन मंत्री अकबर ने किया ऑल इंडिया हाँकी प्रतियोगिता का उद्घाटन

बहतराई स्टेडियम में विभिन्न राज्यों की कुल तीस टीमें ले रही हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बिलासपुर जिले के बहतराई स्टेडियम के बी.आर.यादव एस्ट्रोटर्फ हाँकी मैदान में आज ऑल इंडिया हाँकी टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। समारोह की अध्यक्षता खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री उमेश पटेल ने की। इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से कुल तीस टीमें हिस्सा ले रही हैं।

पहला उद्घाटन मैच पुरुष वर्ग के सूफिया स्पोर्टिंग क्लब अमरावती और जिला हॉकी संघ बिलासपुर के बीच खेला गया।

इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से पुरूष वर्ग की 16 टीमों और महिला वर्ग की 14 टीमों सहित कुल तीस टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस टूर्नामेंट में हरियाणा, दिल्ली, मुम्बई, राउरकेला, रोहतक, प्रयागराज, सोनीपत बैंगलुरू आदि

से पुरूष वर्ग की टीमें भाग ले रही है। इसी प्रकार दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, नागपुर, मेरठ, ग्वालियर, तथा हरियाणा से महिला हॉकी खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।

वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभिन्न राज्यों से आये खिलाड़ियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मोहम्मद अकबर ने कहा कि छत्तीसगढ़ से विसेंट लकड़ा, सबा अंजुम जैसे खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभा के दम पर प्रदेश को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि हाँकी सहित विभिन्न खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए शासन स्तर पर भी योजनायें संचालित की जा रही हैं। मोहम्मद अकबर ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि बिलासपुर में आयोजित हाँकी टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मौका मिलेगा। उन्होंने आयोजक सहित उपस्थित सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

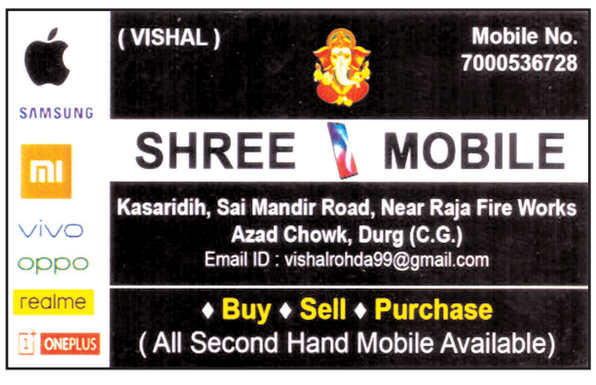

खास खबर

मुख्यमंत्री ने संत पवन दीवान की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय माटी पुत्र, कवि और प्रसिद्ध कथा वाचक संत पवन दीवान को 02 मार्च को उनकी पुण्यतिथि पर नमन किया है। श्री बघेल ने संत दीवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि संत पवन दीवान की वाक कला का जादू लोगों को मंत्रमुग्ध कर देता था। उनके भाषणों में माटी की सौंधी महक महसूस होती थी। संत दीवान ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हमेशा छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए कार्य करते रहे। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ को दीवान जी की कमी हमेशा महसूस होती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने भारत कोकिला सरोजिनी नायडू की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश की प्रथम महिला राज्यपाल और सुप्रसिद्ध कवयित्री सरोजिनी नायडू की 2 मार्च को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा कि भारत कोकिला के नाम से प्रसिद्ध श्रीमती नायडू ने अपनी लेखनी के बल पर एक अलग पहचान बनायी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। महिलाओं की जागरूकता की दिशा में भी उन्होंने कई काम किए। श्री बघेल ने कहा कि श्रीमती नायडू की रचनाएं और विचार हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने यूक्रेन में भारतीय छात्र की मृत्यु पर गहरा दुख प्रकट किया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यूक्रेन में भारतीय छात्र की मृत्यु पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यूक्रेन में भारतीय छात्र की मृत्यु की खबर बेहद दुखद है। इस पीड़ा में पूरा देश छात्र के परिवारजनों के साथ है। ईश्वर उनके माता-पिता, उनके चाहने वालों को इस कठिन समय को सहने की शक्ति दें। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भारत सरकार से पूरा देश इस समय यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने के प्रयासों में तेजी लाने की अपील कर रहा है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने भारतीय छात्र के निधन पर शोक व्यक्त किया

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया यूइके ने यूक्रेन में रूसी हमले में एक भारतीय छात्र की मृत्यु पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। खारकीव में गोलाबारी के दौरान एक भारतीय छात्र की गोली लगने से मृत्यु हो गई है। सुश्री उइके ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है और सभी भारतीय नागरिकों के सकुशल घर वापसी की कामना की है।

सियान जतन क्लिनिक का किया जा रहा है आयोजन

रायपुर। रायपुर शहर की 2 शहरी स्वास्थ्य संस्थाओं में सियान जतन क्लीनिक का आयोजन किया जा रहा है। 2 मार्च 2022 को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,गुढ़ियारी एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,भांटागाँव में 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्ध जनों का नि:शुल्क जाँच एवं उपचार किया जाएगा 7 अस्पतालों में विशेष रूप से 4 विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। सियान जतन क्लीनिक 2 मार्च 2022 को सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। वह देर शाम तक संचालित होगा। सियान जतन क्लीनिक में नाक,कान,गला, आंख सम्बन्धी समस्या, मोतियाबिंद, हड्डी रोग एवं मांसपेशियों से संबंधित, डायबिटीज,हाइपरटेंशन और न्यूरोलॉजिक संबंधित बीमारियों का नि:शुल्क जाँच,उपचार एवं नि:शुल्क दवाई वितरण किया जाएगा। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,गुढ़ियारी एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,भांटागाँव दोनों ही अस्पतालों में नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं मेडिसिन स्पेशलिस्ट अपनी सेवा प्रदान करेंगे 7 इसके अतिरिक्त दंत रोग विशेषज्ञ एवं फिजियोथेरेपी की भी सुविधा भी प्रदान की जाएगी 7 उपरोक्त क्लिनिक का आयोजन रायपुर शहर के उत्तर व दक्षिण छोर में किया जा रहा है जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

राजिम अध्यात्म, धर्म और हमारी गौरवशाली संस्कृति का संगमः भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में राजिम माघी पुन्नी मेला का गरिमामय समापन

छत्तीसगढ़ी संस्कृति को मिल रहा है सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का सुप्रसिद्ध तीर्थ राजिम मात्र एक शहर नहीं बल्कि आध्यात्म, धर्म और हमारी गौरवशाली संस्कृति का संगम है। राजिम के महत्व को देखते हुए हमने यहां राजिम माघी पुन्नी मेला को भव्यता प्रदान करने के लिए न केवल नये मेला स्थल के लिए 54 एकड़ जमीन आवंटित की है। बल्कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए धर्मशाला के निर्माण सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। मेले स्थल का तेजी से विकास किया जा रहा है। आज राजिम के त्रिवेणी संगम में 33.12 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित लक्ष्मण झूले का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री बघेल राजिम माघी पुन्नी मेले के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

महानदी, पैरी और सोंढूर के पवित्र त्रिवेणी संगम के तट पर 16 फरवरी से 01 मार्च तक 15 दिनों तक चलने वाले श्रद्धा-भक्ति और आस्था के छत्तीसगढ़ के इस सबसे बड़े राजिम माघी पुन्नी मेला 2022 का भव्य समापन आज महाशिवरात्री के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने भगवान राजीव लोचन की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की और महानदी की आरती में शामिल होकर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के धर्मस्व, पर्यटन, गृह, जेल, लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने की। राजिम माघी पुन्नी मेला में इस वर्ष 10 लाख श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्म और आस्था के संगम में डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आगे कहा कि विधायक अमितेष शुक्ल ने 15 दिन तक शराब पर प्रतिबंध लगाने कि बात कही थी जिसे हमने तुरंत स्वीकृति दे दी और 15 दिन राजिम सहित आस-पास के क्षेत्रों की शराब दुकानें भी बंद रही। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने वनवासकाल में सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में बिताया। राजिम से लेकर शिवरीनारायण तक का क्षेत्र कमल क्षेत्र कहलाता है। उन्होंने रामवनगमन पथ के संबंध में कहा कि इस पथ के लिए 9 महत्वपूर्ण स्थलों को पूरी भव्यता के साथ विकसित किया जा रहा है। इसमें राजिम महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री ने कहा की राजिम को संवारने का कार्य हमारी सरकार द्वार किया जा रहा है। उन्होंने ने कहा कि हमारी नीति और योजनाओं से छत्तीसगढ़ के किसान समृध्दि की ओर बढ़ रहे हैं। आज राज्य की संस्कृति, खानपान, रहन-सहन और व्यंजन का भी सम्मान हो रहा है। उन्होंने कहा की गोधन न्याय योजना की तारीफ प्रधानमंत्री भी कर चुके हैं। श्री बघेल ने कहा की गौठानों में विकसित किए जा रहे रुरल इंडस्ट्रीज पार्क के माध्यम से हमारे किसान और ग्रामीण भाई-बहन अब उद्योगकर्मी भी कहलायेंगे। उन्होंने ने कहा की मजदूरों के लिए प्रारंभ की गई राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना से गरीबों की आय भी बढ़ेगी। उन्होने शानदार आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन एवं आम नागरिकों को बधाई दी।

लक्ष्मण झूला का लोकार्पणः अंचल के लोगों को मिली ऐतिहासिक सौगात

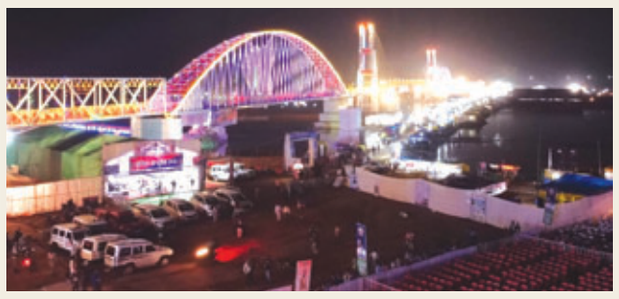

इस अवसर पर धर्मस्व मंत्री ताम्रजध्वज साहू ने कहा की राज्य सरकार द्वारा हर वर्ष आयोजन को बेहतर रुप देने का प्रयास रहता है। जिसमें हम सफल हो रहे है। इस वर्ष लक्ष्मण झूला की सौगात अंचल वासियों को मिली है। इससे बारह महीने भगवान कुलेश्वरनाथ का दर्शन होगा। उन्होंने बताया की मेले में इस वर्ष लगभग 3 हजार हितग्राहियों को 98 करोड़ रुपये का विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया है। राजिम विधायक अमितेश शुक्ल ने कहा की लक्ष्मण झूला की सौगात से अंचल वासियों में खुशी की लहर है। उन्होंने गोधन न्याय योजना अंतर्गत गोबर खरीदी के लिए धन्यवाद दिया साथ ही शराब बंदी के लिए मुख्यमंत्री का अभार व्यक्त किया। अभनपुर विधायक धनेन्द्र साहू ने कहा की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य में हर वर्गों का विकास हो रहा है। कलेक्टर नम्रता गांधी ने मेले के आयोजन और वहां की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए हर वर्ग का आभार व्यक्त किया। समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेश्री महंत रामसुन्दरदास महाराज, महंत गोवर्धन शरण महाराज, संत उमेशानंद महाराज, संत रविकर साहेब, ब्रम्हाकुमारी पुष्पा बहन, ब्रम्हाकुमारी हेमा बहन, संत विचार साहेब एवं विशिष्ट साधु-संतों की गरिमामयी मौजूदगी रही। इस अवसर पर विधायक संगीता सिन्हा, भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव, वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नागरिकगण मौजूद थे।

माह भर बाद घटे सात फीसद हवाई यात्री, उड़ानें भी हुई कम

रायपुर (ए)। स्वामी विवेकानंद विमानतल से आने-जाने वाले हवाई यात्रियों की संख्या में फरवरी के अंतिम सप्ताह में गिरावट आई है। हवाई यात्रियों के साथ ही उड़ानों की आवाजाही भी घटी है। विमानन अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, 21 से 27 फरवरी की अवधि में रायपुर विमानतल से कुल 36,009 हवाई यात्रियों की आवाजाही हुई, जो इसके पिछले हफ्ते की तुलना में सात प्रतिशत कम है।

उड़ानों में तीन प्रतिशत की कमी

इसके साथ ही इस हफ्ते 304 उड़ानों की आवाजाही हुई। इसके पिछले सप्ताह की तुलना में उड़ानों में तीन प्रतिशत की गिरावट आई। इस प्रकार हवाई यात्रियों की आवाजाही में माह भर बाद गिरावट आई है। आने वाले दिनों में हवाई यात्रियों की आवाजाही में और सुधार होगा। बता दें कि जनवरी के पहली और दूसरी सप्ताह में कोराना संक्रमण के कारण हवाई यात्रियों की आवाजाही के साथ उड़ानों की आवाजाही भी घट गई थी।

मार्च आखिर में बदलेगा उड़ानों का शेड्यूल

मार्च माह के आखिर दिनों में रायपुर से आने जाने वाली उड़ानों का शेड्यूल बनने वाला है। बताया जा रहा है कि नए शेड्यूल में रायपुर से आने-जाने वाली उड़ानों के समय में आधा से पौन घंटे का अंतर आता है। हर वर्ष गर्मियों में फ्लाइटों का शेड्यूल जाता है। साथ ही गर्मी अधिक पड़ने पर यात्रियों की संख्या में भी थोड़ी कमी की जाती है। विमानन कंपनियों द्वारा सुविधा के अनुसार अपना शेड्यूल भी दिया जा रहा है और इसके अनुसार ही नया शेड्यूल बनाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मंत्री रुद्रकुमार ने गुरु प्रवक्ता स्वर्गीय डॉ. कौशल को दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने आज सतनामी समाज के गुरु प्रवक्ता डॉ. एम.के. कौशल के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने कहा कि डॉ. कौशल एक सरल, सौम्य और मृदुभाषी मिलनसार व्यक्ति थे। उन्होंने गुरु परिवार और सतनामी समाज के प्रति अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन किया है। समाज को एकजुट रखने और समाज में जन जागरूकता लाने में डॉ. कौशल का अविस्मरणीय योगदान रहा है। डॉ. कौशल का असमय हम सबके बीच से चले जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने इस अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा गुरु घासीदास डॉ. कौशल के परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उनकी यादें आज भी हमारे दिलो-दिमाग में रची बसी है। गुरु परिवार और समाज हमेशा उनके परिवार के साथ रहेगा।

डॉ. कौशल के दशगात्र कार्यक्रम में राजराजेश्वरी कौशल माता, गुरु दीदी प्रियंका, नगरीय प्रशासन मंत्री डा.शिव कुमार डहरिया,पूर्व विधायक नवीन मारकंडे, प्रदेशभर से आए सतनामी समाज के राजमहंत, जिला महंत, तहसील महंत, भण्डारी, साटीदार, समाज प्रमुख सहित, स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि है रायपुर जिले के मंदिर हसौद के ग्राम जुगेसर निवासी डॉ. मुकुंद कौशल का स्वर्गवास विगत 20 फरवरी को हो गया। डॉ कौशल वर्षों से गुरु परिवार और सतनामी समाज की सेवा की। मंत्री गुरू रूद्रकुमार के मार्गदर्शन पर उन्होंने राजराजेश्वरी करुणा माता जी की जयंती की शुरुआत और समाज में एकजुटता और जागरूकता लाने वाले सतनाम संदेश यात्रा में उनका अभिन्न योगदान रहा है। देश के अन्य राज्यों में भी जाकर उन्होंने सतनामी समाज के लोगों को जोड़ने का कार्य किया।

उद्योगों में श्रमिकों की सुरक्षा अहमः शिवकुमार डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया के मुख्य आतिथ्य में प्रदेशस्तर पर पहली बार राज्य स्तरीय औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं हाईजिन विषय पर सेमिनार का आयोजन राजधानी के एक निजी होटल में किया गया। सेमीनार में सचिव सह श्रमायुक्त अमृत कुमार खलखो सहित अंतराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ. एचएल काईला (बी.बी.एस.), डॉ. एस. बख्तीयार चौधरी (ओ.एच.एस.) एवं छत्तीसगढ़ के हाईजिनिस्ट डॉ. ए.के. वर्मा उपस्थित थे।

श्रम मंत्री डॉ. डहरिया ने इस अवसर पर कारखानो में स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं हाईजिन के क्षेत्र में कानून के अनुरूप कार्य करने की हिदायत प्रदेश स्तर के अलग-अलग क्षेत्रो से आये अधिभोगी, कारखाना मालिक, डॉक्टरों, सेफ्टी ऑफिसर एवं अन्य प्रतिनिधियों को दी। उन्होंने शासन द्वारा चलाये जा रहे श्रमिकों के हितसवंर्धन संबंधी कार्यक्रमों का विभागों द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रंशसा की। उन्होने इस अवसर पर औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, हाईजिन लैब, रायपुर द्वारा किये गये कार्यो की सहाराना की। सचिव खलखो ने दुर्घटना को दूर करने के प्रभावी उपाय के बारे में बताया।

कार्यक्रम में एक्सपर्ट स्पीकर के प्रजेंटेशन के अलावा जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य में उद्योगों की स्थापना एवं संभावनाएं विषय पर पेनल डिक्शन हुई। जिसमें प्रदीप टंडन, (प्रेसिडेंट), जे.एस.पी.एल. रायपुर, सुनील रामदास अग्रवाल (एम.डी.) एस.के.ए. इस्पात एण्ड पावर प्रा.लि. रायपुर, पी.दास (ई.डी.), एन.आई.एस.पी. जगदलपुर, विवेक अग्रवाल (सी.ओ.ओ), गोदावरी पावर एण्ड इस्पात प्रा.लि. रायपुर प्रतिभागी रहे। अतिरिक्त श्रमायुक्त सविता मिश्रा मोडरेटर के तौर पर उपस्थित रही। इसके अलावा दूसरे पेनल डिक्शन कारखानों में कार्यरत श्रमिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कार्य वातावरण से संबंधित विषय पर आयोजित था। जिसमें सेवानिवृत्त उप संचालक एम.के. अग्रवाल, सेवानिवृत्त उप संचालक अविनाश गुंजाल के अलावा उप संचालक एन्थोनी तिर्की एवं उप संचालक केके द्विवेदी ने भाग लिया। कारखानों में सेफ्टी कलचर अनुभव शेयर करने के लिये आईओटीएल से रंजित भास्कर, बालको से शिवकुमार एवं एनटीपीसी से पी. राम प्रसाद उपस्थित थे। इस अवसर पर श्रम मंत्री द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारी एमके अग्रवाल एवं अविनाश गुंजला को लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड दिया गया। इसके अलावा हाईजिन एवं सुरक्षा के दिशा में कार्य करने वाले जेके सीमेंट, एनटीपीसी, अल्टाटेक, शारडा, जेएसपीएल आदि को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में एसेन्टेक इंजीकॉन रायपुर द्वारा उद्योगों में होने वाले दुर्घटनाओं के मुख्य कारण और सक्षम व्यक्तियों की भूमिका के बारे में महत्वपूर्ण व उपयोगी जानकारी दी गई।

इस मौके पर पूरे प्रदेश के कारखानों के अधिकारीयों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और शासन द्वारा किये जा रहे इस सेमीनार की सहाराना की और इस प्रकार का आयोजन समय-समय पर आयोजित करने की इच्छा जाहिर की। इस अवसर पर श्रम विभाग के अधिकारीगण ने सक्रियरूप से भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन, हाईजिन लैब के उप संचालक रज्जू कुमार द्वारा किया गया एवं अंत में आभार प्रदर्शन उप संचालक बलौदाबाजार आशुतोष पाण्डेय द्वारा किया गया।

जानवर के काटने पर एंटी रेबीज़ वैक्सीन अवश्य लगवाएं

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग ने रेबीज से बचाव के लिए जानवरों के काटने पर घाव को तत्काल साबुन या एंटिसेप्टिक से 15 से 20 मिनट तक बहते पानी से धोने की सलाह दी है। विभाग ने रेबीज से बचने के लिए घर के पालतू जानवरों कुत्ता, बिल्ली या अन्य पशुओं को जरूरी टीका लगवाने की अपील की है। कुत्तों को तीन महीने की उम्र में टीका लगवाना चाहिए। टीके के प्रकार के अनुसार हर तीन वर्ष में इसकी एक अतिरिक्त डोज भी लगवानी चाहिए। रेबीज नियंत्रण के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र गहवई ने बताया कि एक बार रेबीज होने के बाद इससे बचा नहीं जा सकता है। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में रेबीज से बचाव एवं प्रबंधन के बारे में डॉक्टरों द्वारा जानकारी दी जाती है। रेबीज जानलेवा बीमारी है। समय पर इलाज करवाकर और एंटी-रेबीज का टीका लगवाकर जान बचाई जा सकती है। रेबीज़ का टीका आप अपने निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद एवं जिला अस्पतालों में नि:शुल्क लगवा सकते हैं। रेबीज के 97 प्रतिशत मामले संक्रमित कुत्ते के काटने के कारण होते हैं। संक्रमित कुत्ते के अलावा यह बीमारी बिल्ली, बंदर, नेवला, लोमड़ी, सियार या अन्य जंगली जानवरों के काटने या नाखून मारने से भी हो सकता है। शासकीय अस्पतालों में जानवरों के काटने का सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध है। यदि कोई जानवर काट ले तो घाव को 15 से 20 मिनट तक साबुन, डिटॉल या अन्य एंटीसेप्टिक से बहते पानी में तुरंत धोना चाहिए। साथ ही समय पर उपचार लेने के लिए तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। डॉक्टर के परामर्श के अनुसार समय पर पूर्ण टीकाकरण कराएं। जानवरों के द्वारा चाटने, नाखून मारने या काटने के घाव को अनदेखा न करें। कटे हुए घाव पर मिर्ची पाउडर, सरसों का तेल, तेजाब या जलन करने वाले केमिकल न लगाएं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

खास खबर

'पठान' का टीजर रिलीज, 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

एक्टर शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की मोस्ट अवेटेड स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'पठान' की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी गई है। इस बात की जानकारी शाहरुख खान ने खुद फिल्म का एक वीडियो टीजर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर कर दी है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे पता है कि देर हो चुकी है... लेकिन तारीख याद रखना... 'पठान' का समय अब शुरू होता है... 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में मिलते हैं। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज हो रही है। #YRF50 के साथ 'पठान' का जश्न केवल अपने नजदीकी बड़े पर्दे पर मनाएं। इस टीजर में शाहरुख, दीपिका और जॉन तीनों का फिल्म से फर्स्ट लुक देखने को भी मिल रहा है। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को 'यशराज फिल्म्स' ने प्रोड्यूस किया है।

यशराज फिल्म्स के नए सीईओ बने अक्षय विधानी

यशराज फिल्म्स ने हाल ही में अक्षय विधानी को तत्काल प्रभाव से चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के पद पर नियुक्त किया है। अक्षय अब तक यशराज स्टूडियो के फाइनेंस एंड बिजनेस अफेयर्स और हेड ऑफ ऑपरेशंस के सीनियर वीपी के रूप में काम कर थे। उन्होंने 17 साल पहले 22 साल की उम्र में बतौर स्टूडियो मैनेजर यशराज फिल्म्स को जॉइन किया था। वह यशराज फिल्म्स के लिए कई व्यावसायिक कार्यक्षेत्र स्थापित करने के लिए जिम्मेदार रहे हैं। अक्षय ने यशराम फिल्म्स में अपने करियर की शुरुआत एक स्टूडियो मैनेजर के रूप में की थी। इसके बाद, उन्होंने धीरे-धीरे कॉर्पोरेट वित्त, रणनीति और संचालन में नेतृत्व की भूमिकाएं निभाईं थीं।

उर्वशी ढोलकिया ने किया अपने स्ट्रगल के दिनों को याद

टीवी एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने स्ट्रगल के बारे में बात करते हुए कहा, यह घटना मेरे साथ अटकी हुई है और उसने मुझे सिखाया कि निर्भर नहीं होना है। ऐसा नहीं था कि मैं किसी पर निर्भर थी, लेकिन इसने मुझे और अलर्ट रहना सिखाया। उस वक्त मैं थोड़ी गुस्से वाली थी, क्योंकि आप एक ऐसी स्थिति में फंस गए होते हैं, जहां आपको नहीं पता होता है कि आगे आपको क्या करना है। आपको महसूस होता है कि आप क्या करने जा रहे हैं आप अपने बच्चे की पढ़ाई के लिए 1500 रुपए नहीं दे पा रहे हैं। आपको बुरा लगता है। आप निराश महसूस करते हैं, लेकिन आज जब मैं उस वक्त को पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे लगता है कि मैंने अच्छा किया। जिंदगी आपको मुश्किलें देती है, लेकिन आपको इससे बस आगे बढ़ना होता है।

'इंडियाज गॉट टैलेंट' में मैजिशियन ने शिल्पा शेट्टी को बनाया 1 इंच का

'इंडियाज गॉट टैलेंट' में कंटेस्टेंट के रूप में एक मैजिशियन आए। उन्होंने सबसे पहले ऐसा जादू दिखाया जिसमें उन्होंने एक लड़की का सिर उसकी बॉडी से अलग कर दिया। दूसरी ट्रिक में उन्होंने एक लड़की को दो हिस्सों में काट दिया। वहीं तीसरी ट्रिक में उन्होंने शो की जज शिल्पा शेट्टी पर जादू दिखाया। उन्होंने 5 फीट 7 इंच लंबी शिल्पा को 1 इंच का कर दिया। यह देख सभी दंग रह गए।

'स्मार्ट जोड़ी' के सेट पर भाग्यश्री हुईं इमोशनल

स्टार प्लस के शो 'स्मार्ट जोड़ी' का हाल ही में एक प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसमें शो की कंटेस्टेंट भाग्यश्री ने खुलासा किया कि उनकी शादी में उनकी फैमिली का कोई भी शामिल नहीं हुआ था। भाग्यश्री ने भावुक होते हुए कहा, मेरे लिए शादी में कोई नहीं था...सिवाए इनके। जब मैंने मम्मी पापा से कहा कि मैं शादी करना चाहती हूं इनसे... वो नहीं माने। मां-बाप के बच्चों के लिए सपने होते हैं, लेकिन बच्चों के अपने खुद के भी सपने होते हैं... और कभी-कभी उनके अपने सपने भी उन्हें जीने देना चाहिए। क्योंकि आखिर में उनकी जिंदगी है जो उनको जीनी है। जो लोग या मीडिया कहते हैं ना कि मैंने भाग कर शादी की..उससे मुझे बहुत-बहुत ज्यादा गुस्सा आता है, क्योंकि मैंने भागकर शादी नहीं की। बता दें भाग्यश्री और उनके बिजनेसमैन पति हिमायल दासानी ने साल 1990 में शादी की थी।

8 साल के करियर में टाइगर ने बना ली है अथाह संपत्ति, मुंबई में हैं तीन घर,जीते हैं लग्जरी लाइफ

टाइगर श्रॉफ फिल्म जगत में वह एक एक्शन हीरो के तौर पर पहचाने जाते हैं। 2 मार्च को टाइगर का जन्मदिन है। बचपन में उनका नाम 'जय हेमंत श्रॉफ' रखा था, लेकिन जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया, तब उनका नाम 'टाइगर' रख दिया गया। बचपन से ही मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण ले रहे टाइगर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी चीजें सार्वजनिक नहीं करते। टाइगर श्रॉफ ने अपनी पढ़ाई अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की है। एक्टर 'हीरोपंती', 'बागी' और 'वॉर' जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

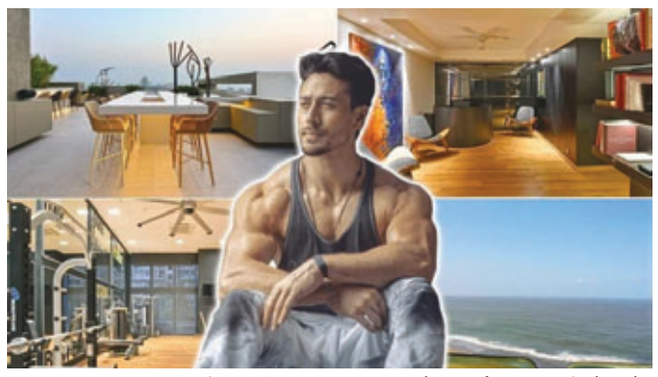

2014 में किया फिल्मी डेब्यू

शुरुआती दौर में टाइगर का खेल और मार्शल आर्ट्स और डांस में अधिक मन लगता था। उन्होंने चार साल की उम्र से ही मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। हालांकि बाद में चलकर उन्होंने अभिनय में ही अपना करियर बनाया। टाइगर की डेब्यू फिल्म हीरोपंती थी जोकि 2014 में आई थी। बहुत की कम समय में टाइगर लोगों के दिलों में अपनी जगह बना चुके हैं। पहली फिल्म के बाद लोगों ने खूब ट्रोल किया था। किसी ने टाइगर श्रॉफ के पिंक लिप्स का मजाक उड़ाया तो किसी ने उन्हें गर्ल लुक वाला बताया लेकिन उसके बाद की फिल्मों में टाइगर एक अच्छे एक्शन एक्टर बनकर उभरे। वह एक अच्छे डांसर भी हैं। वह माइकल जैक्शन के बहुत बड़े फैन हैं। स्टंट के साथ साथ उन्होंने अपनी फिल्मों में अपने डांस का जौहर भी दिखाया है। 2014 में, उन्हें ताइक्वांडो में 'ब्लैक बेल्ट' से सम्मानित किया गया था।

दिशा पाटनी के साथ हैं रिलेशन में

टाइगर श्रॉफ इंडस्ट्री के उन चुनिंदा कलाकारों में एक हैं जो सिगरेट या शराब का सेवन नहीं करते हैं। कुल मिलाकर कहा सकता है कि टाइगर आज के युवाओं को काफी हद तक प्रोत्साहित करते हैं। टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी एक दूसरे के काफी करीब हैं। अक्सर दोनों एक साथ इवेंट्स और सार्वजनिक जगहों पर स्पॉट किए जाते हैं। दोनों फिल्म 'बागी 2' में साथ काम भी कर चुके हैं। खबरों के अनुसार दोनों कलाकार रिलेशनशिप में हैं।

कितनी है टाइगर की कमाई

टाइगर की नेट वर्थ 80 करोड़ रुपये है, वह एक फिल्म के लिए लगभग 8 करोड़ फीस चार्ज करते हैं। वे विज्ञापने के लिए भी 4 से 5 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। टाइगर के पास BMW 5 Series, रेंज रोवर, जैगुआर है। जिसकी कीमत करोड़ों रुपये है। इसके अलावा पिछले साल उन्होंने मुंबई में एक सी फेसिंग अपार्टमेंट भी खरीदा है। उनके पास इससे पहले भी करोड़ों के दो फ्लैट थे।

अमिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' देख आमिर खान की आंखों से छलके आंसू, कहा - 'क्या मूवी बनी है यार'

सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की 'झुंड' इस शुक्रवार, 4 मार्च को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। नागराज पोपटराव मंजुले द्वारा इस फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म के ट्रेलर ने सिनेमाप्रेमियों की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। दर्शक अमिताभ बच्चन और नागराज पोपटराव की जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। भारत के दर्शक बड़े पर्दे पर अमिताभ बच्चन का अभिनय देखने के लिए उत्साहित हैं। हाल ही में फिल्म की एक विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई थी। इस स्क्रीनिंग में आमिर खान भी शामिल हुए थे। अभिनेता का कहना है कि इस फिल्म ने अपनी शानदार प्रतिभा से उन्हें भावनात्मक रूप से प्रभावित कर दिया है।

अभिनेता आमिर खान कहते हैं कि प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता के दिमाग को प्रभावित करना आसान नहीं है, लेकिन इस फिल्म ने न केवल प्रभावित किया है बल्कि प्रेरणा भी दी है। अभिनेता ने टीम झुंड के लिए सम्मान व्यक्त किया।

बता दें कि 'झुंड' टी-सीरीज, तांडव फिल्म्स एंटरटेनमेंट और एटपत के बैनर तले भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, सविता राज हिरेमठ, राज हिरेमठ, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, मीनू अरोड़ा और संदीप सिंह द्वारा निर्मित है।

ड्रग्स केस में आर्यन खान के खिलाफ एसआईटी को नहीं मिला कोई सबूत, नहीं थे किसी साजिश का हिस्सा

क्रूज ड्रग्स मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को आखिरकार क्लीन चिट मिलती दिखाई दे रही है। उनके खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित होता हो कि वह एक बड़ी साजिश या एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी सिंडिकेट का हिस्सा थे। दरअसल एनसीबी मुंबई की यूनिट के आरोपों के विपरीत, एसआईटी (विशेष जांच दल) ने एचटी के साथ अपनी जांच के कुछ निष्कर्ष साझा किए हैं जिसमें बताया गया है कि आर्यन खान के पास कोई ड्रग्स नहीं था।

वानखेड़े की कार्यशैली पर सवाल

जांच टीम का कहना है आर्यन खान की चैट से यह नहीं पता चलता है कि वह किसी अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का हिस्सा था। इसके अलावा क्रूज पर छापे के दौरान अनियमितता बरती गई। छापे के दौरान कोई वीडियो-रिकॉर्डिंग नहीं की गई थी जैसा कि एनसीबी मैनुअल द्वारा अनिवार्य किया गया था। एसआईटी की जांच, छापेमारी और एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय इकाई के पूर्व निदेशक समीर वानखेडे के आचरण पर भी सवाल उठाती है। वानखेड़े को उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है और मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए एसआईटी और एजेंसी की सतर्कता टीम दोनों द्वारा कई बार पूछताछ की जा चुकी है।

अभी पूरी नहीं हुई है जांच-

हालांकि सारी चीजों को सुनिश्चित करने के लिए एसआईटी की जांच पूरी नहीं हुई है और एनसीबी के महानिदेशक एस एन प्रधान को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने में कुछ महीने लग सकते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि अंतिम निर्णय से पहले एक कानूनी राय ली जाएगी। एसआईटी प्रमुख और एनसीबी डीडीजी संजय सिंह का कहना है कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि आर्यन खान के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। जांच अभी जारी है, कई बयान दर्ज अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं।

ये था मामला

वानखेड़े ने पिछले साल 2 अक्टूबर की रात को मुंबई के ग्रीन गेट पर अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल पर एक क्रूज जहाज, कॉर्डेलिया पर छापा मारने के लिए अधिकारियों और कुछ वाहनों की एक टीम का नेतृत्व किया। एनसीबी ने क्रूज पोत से 13 ग्राम कोकीन, पांच ग्राम मेफेड्रोन, 21 ग्राम मारिजुआना, 22 गोलियां एमडीएमए (एक्स्टसी) और 1.33 लाख नकद जब्त किए थे। जिसके बाद 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और बाद में धीरे-धीरे करके 17 लोगों के नाम इस मामले में सामने आए थे।

व्हाट्सऐप चैट को माना गया था सबसे बड़ सबूत

एसआईटी रिपोर्ट के मुताबिक, छापेमारी के बाद वानखेड़े की टीम ने व्हाट्सएप चैट के सबसे बड़ा सबूत मानते हुए दावा किया था कि आरोपी एक बड़ी साजिश का हिस्सा थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि आर्यन खान कुछ विदेशी ड्रग्स पैडलर्स के संपर्क में था और सबूत के तौर पर चैट को ही अदालत में पेश किया गया था, जिसमें हार्ड ड्रग्स और बल्क क्वांटिटी के बारे में उल्लेख किया गया था। हालांकि एनसीबी के दावों को खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नितिन डब्ल्यू साम्ब्रे की एकल पीठ ने कहा था कि किसी भी साजिश को साबित करने के लिए एनसीबी के पास पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जज ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि आर्यन खान और उनके दोस्त अरबाज मर्चेंट और मॉडल मुनमुन धामेचा शिप पर थे, सिर्फइसलिए उन्हें ड्रग्स रैकेट का हिस्सा नहीं बताया जा सकता है।

गौरतलब है कि एसआईटी जांच के शुरुआती निष्कर्ष में बॉम्बे हाई कोर्ट की टिप्पणियों की पुष्टि करते हैं, जिसने पिछले साल 28 अक्टूबर को खान को जमानत देते हुए कहा था कि किसी भी साजिश में या ड्रग्स के आर्यन खान के पास से बरामद होने को कई सबूत नहीं मिले हैं।

माधुरी दीक्षित की प्रोटेक्टिव माहौल में हुई है परवरिश बोलीं-

मैं अमेरिका में इंडिपेंडेंट हो कर अपनी जिंदगी जी पाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित इस समय अपनी वेब सीरीज 'द फेम गेम' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में माधुरी ने बताया कि एक स्टार होने की वजह से वो कभी भी पूरी तरह से खुद को इंडिपेंडेंट महसूस नहीं कर पाईं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इंडिया में उनके मम्मी-पापा उन्हें फिल्म के सेट पर छोड़ने जाते थे। हालत ये थी कि लगभग 20 लोगों की टीम उनके चारो तरफ होती थी, इसलिए उन्हें अपना काम खुद करने की जरूरत ही नहीं पड़ी। हालांकि शादी के बाद जब वो अमेरिका गईं तो वहां सारी चीजें बदल गईं और वहां वो इंडिपेंडेंट हो कर अपनी जिंदगी जी पाईं।

अमेरिका में आजादी से अपनी जिंदगी जी पाईं माधुरी

माधुरी ने कहा, मेरी परवरिश बहुत ही प्रोटेक्टिव माहौल में हुई। मेरे पेरेंट्स हमेशा हर जगह मेरे साथ जाते थे। यहां तक कि जब मैं काम पर होती थी, तब भी वो साथ ही रहते थे। लेकिन जब मेरी शादी हो गई तब मैं अपने फैसले खुद लेने लगी। अमेरिका में रहने के दौरान मैंने जिंदगी के बारे में काफी कुछ सीखा। जब मैं इंडिया में थी तब मेरे आसपास हमेशा 20 लोग रहते थे। लेकिन अमेरिका में मैं बहुत आजाद थी।

माधुरी ने शेयर किए अपने एक्सपीरिएंस

माधुरी ने आगे कहा, मैं अपने सारे काम खुद ही करती थी। बच्चों को स्कूल से घर खुद ही लाती थी। हालांकि जरूरत के वक्त पर मेरी मां और सास मेरी मदद करती थीं। लेकिन जब आप बड़े होते हो तब आप काफी कुछ सीखते हो। अपने एक्सपीरिएंस से सीख-सीखकर आप आगे बढ़ते हो और मैच्योर हो जाते हो। आज जब मैं इस रोल को प्ले कर रही हूं तब मुझे यही एक्सपीरिएंस काम आ रहे हैं।

माधुरी ने 1999 में श्रीराम से की थी शादी

माधुरी ने 7 अक्टूबर 1999 को डॉ श्रीराम नेने से शादी की थी। दोनों के दो बेटे अरिन और रायन हैं। दोनों अभी पढ़ाई कर रहे हैं। माधुरी शादी के कुछ सालों बाद तक अमेरिका में ही रहीं उसके बाद अपने पति और बच्चों के संग मुंबई में शिफ्ट हो गईं। शादी के बाद माधुरी ने कुछ समय तक ब्रेक लिया था। इसके बाद 2007 में फिल्म 'आजा नचले' से उन्होंने वापसी की थी। माधुरी फिल्मों के अलावा कई डांस रियलिटी शोज जज कर चुकी हैं।

बड़े पर्दे पर पहली बार छाएगा रणबीर कपूर-श्रद्धा कपूर के रोमांस का जादू, सामने आई फिल्म की रिलीज डेट

अभिनेता रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अभिनीत 'अनटाइटल्ड' फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस पर रिलीज होने वाली थी। हालांकि अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है। अब यह फिल्म मार्च 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसे लव रंजन द्वारा निर्देशित और निर्मित किया गया है। बता दें कि लव रंजन इससे पहले पंचनामा फ्रैंचाइज़ी और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं।

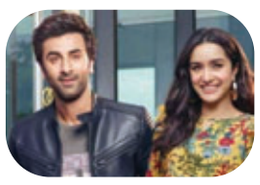

आधिकारिक ट्वीट

लव फिल्म्स के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने अपडेट पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है। लव फिल्म लिखते हैं, रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर अभिनीत लव रंजन की अगली फिल्म होली यानी 8 मार्च, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी! लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा निर्मित, गुलशन कुमार और भूषण कुमार, लव फिल्म्स व टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत। पहली बार साथ काम करेंग लव, रणबीर और श्रद्धा

बता दें कि इस फिल्म की घोषणा 2019 में की गई थी। कभी कोरोना महामारी तो कभी डेट्स की वजह से इसकी रिलीज डेट में पहले भी बदलाव किए गए हैं। अभी तक इस फिल्म का शीर्षक तक तय नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इस परियोजना में रंजन, रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पहली बार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म में डिंपल कपाड़िया और निर्माता बोनी कपूर भी हैं, जो कथित तौर पर रणबीर कपूर के ऑन-स्क्रीन माता-पिता की भूमिका निभाएंगे।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

स्टेट स्कूल आधुनिकीकरण के साथ नए स्वरूप में होगा संचालित

राजनांदगांव। जिले के प्रचीन स्कूलों में एक स्टेट हाई स्कूल अब अपग्रेड होकर आधुनिकीकरण का रूप लेगी। स्कूल के भव्यता के साथ वहां की सभी सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा। पुराने स्कूल भवन का जीर्णोद्धार और निर्माण के साथ बेहतर से बेहतर सुविधा प्रदान कर आदर्श स्कूल के रूप में तब्दील किया जाएगा। स्कूल के जीर्णोद्धार के साथ स्कूल के मूल स्वरूप, नाम, विषय और स्कूल के सीट की संख्या में कोई बदलाव नहीं होगा। स्कूल में पढने वाले विद्यार्थियों को सभी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। शासन द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की तर्ज पर राजनांदगांव शहर के प्राचीन महंत राजा बलराम दास बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (स्टेट हाईस्कूल) का आधुनिकीकरण के साथ नए स्वरूप में संचालन किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी आरएल ठाकुर ने बताया कि स्कूल का संचालन पूर्व की भांति ही किया जाएगा। स्कूल का स्वरूप को भव्यता देने, निर्माण कार्य और आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। स्टेट स्कूल की यादों को बरकरार और सहजने की दिशा में कार्य किए जा रहे है।

स्वयं सेवकों का स्वच्छता कार्य जारी

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी की संगठन व्यवस्था में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय विशेष शिविर-2022 के अंतर्गत स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छता का कार्य निरतंर जारी है। कल 2 मार्च को रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसे संसदीय सचिव विकास उपाध्याय हरी झंडी दिखाएंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना, जिला रायपुर के जिला संगठक डॉ. एल.एस. गजपाल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष कैम्प के दौरान भारत की विभिन्नता में एकता और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धता को प्रदर्शित करती हुई भव्य सांस्कृतिक रैली का आयोजन 2 मार्च को किया जाएगा। इस रैली को संसदीय सचिव एवं रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय अपरान्ह 2.30 बजे महादेव घाट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। शिविर के चतुर्थ दिवस पर प्रात: 6 बजे योग गुरु हितेश तिवारी ने शिविरार्थियों को योग व प्राणायाम तथा देव नारायण शर्मा ने हार्टफुलनेस मेडीटेशन कराया।

आमजनता को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना राज्य सरकार उद्देश्य : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आमजनता को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए विशेष योजनाएं बनाई हैं। ये योजनाएं आज विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल के रूप में पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है।

छत्तीसगढ़ में न सिर्फ किसानों, बल्कि सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा जा रहा है। किसानों, महिलाओं, युवाओं सहित व्यापार और उद्योग जगत को भी नई सहूलियतें दी गई। श्री बघेल आज दुर्ग जिले के पाटन के ठाकुराईन टोला में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले भूमिहीन किसानों के लिए भी योजना आरंभ की गई है। इसके तहत भूमिहीन श्रमिकों को राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत साल में 6000 रुपये की मदद दी जा रही है। सांसद श्री राहुल गांधी ने भी इसकी प्रशंसा की है। उन्होंने इसकी राशि और बढ़ाने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास के मॉडल को समझने केंद्रीय टीम भी आने वाली है। अवारा मवेशियों की समस्या को देखते हुए छत्तीसगढ़ में गौठान योजना बनाई गई, जो सफल भी रही। उत्तर प्रदेश में अवारा मवेशियों की समस्या वहाँ बहुत बड़ी समस्या है और वहां भी इस समस्या से निजात पाने के लिए छत्तीसगढ़ में किए गए नवाचारों की ओर दृष्टि गई है।

पुरखों का देखा सपना होगा पूरा, लक्ष्मण झूला के माध्यम से बरसात में भी पहुंच सकेंगे भोलेनाथ के दर्शन के लिए

मुख्यमंत्री ने ठाकुराईन टोला में आयोजित कार्यक्रम में 30 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत से विभिन्न निर्माण और विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें मुख्य रूप से 19.40 करोड़ रूपए की लागत से लक्ष्मण झूला, 2.75 करोड़ की लागत से खारुन नदी का तटबंध और सोनपुर में 1.40 करोड़ की लागत से ग्लेजिंग यूनिट का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने ठाकुराईन टोला में ही क्रेडा की सामुदायिक सिंचाई योजना का लोकार्पण भी किया। इसके अलावा उन्होंने 6 करोड़ 86 लाख के स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न कार्यों की सौगात दी। इनमें झीठ में दो करोड़ रुपए से बनने वाले मॉडल रूरल हेल्थ रिसर्च यूनिट, पाटन में 2.2 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले स्टाफक्वार्टर का भूमिपूजन, इसके अलावा पाटन अस्पताल में 1.30 करोड़ रूपए के ऑक्सीजन प्लांट, झीठ में 10 बिस्तरों के आइसोलेशन वार्ड, बेल्हारी अचानकपुर और जामगांव एम के उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पाटन से छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल की नोनी सशक्तिकरण योजना का शुभारंभ करते हुए 16 हितग्राही बेटियों को 20-20 हजार रुपये के चेक सौंपे। इस मौके पर उन्होंने श्री दुखितराम को ट्राइसाइकिल भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आगे कहा कि क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से मांग थी कि भगवान भोलेनाथ के दर्शन हर समय सुलभ हो सके आज यह सपना पूरा होने की दिशा में कार्य आगे बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनाः श्रीमती अनिला भेंडिया ने 56 नवदम्पत्तियों को दिया आर्शीवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया आज बालोद जिले के दल्लीराजहरा में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में शामिल हुई। उन्होंने वहां आयोजित सामूहिक विवाह में 58 नवदंपतियों को सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। सामूहिक विवाह का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ परिसर में परिवारजनों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।

मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की संवेदनशील सोच है कि बेटियों का विवाह बिना किसी पारिवारिक खर्च के आसानी से हो, इसी सोच के चलते उन्होंने योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले राशि पन्द्रह हजार रूपए से बढ़ाकर पच्चीस हजार रूपए देने का निर्णय लिया। इससे मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन और अच्छे से सम्पन्न हो रहा है। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के अध्यक्ष शीबू नायर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चन्द्रप्रभा सुधाकर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी हरिकीर्तन राठौर, गणमान्य नागरिकगण, नवदम्पत्तियों के परिवारजन आदि मौजूद थे।

भुतेश्वरनाथ में लगा शिवरात्रि पर मेला, रात्रि में किया गया आतिशबाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। मुख्यालय से 3 किलो मीटर दूर घने जंगलों के बीच बसा है ग्राम मरौदा जो सुरम्य वनों एवं पहाडियों से घिरे अंचल में प्रकृति प्रदत्त विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग विराजमान है।

एक ओर जहां महाकाल और अन्य शिवलिंग के आकार के छोटे होते जाने की खबर आती है वहीं यहां स्थापित भुतेश्वरनाथ शिवलिंग ऐसा है जिसका आकार घटता नहीं बल्कि हर साल और बढ़ जाता है। यह शिवलिंग प्राकृतिक रूप से निर्मित है।

हर साल महाशिवरात्रि और सावन में राज्य भर से लंबी पैदल यात्रा करके कांवरिए यहां पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित इस शिवलिंग को यहां भूतेश्वरनाथ के नाम से पुकारा जाता है जहा काफी पहले बैल के हुक्कारने की आती आती थी जिसके चलते इसे भकुर्रा भी कहा जाता है द्वादश ज्योतिर्लिंगों की भांति छत्तीसगढ़ में इसे अर्धनारीश्वर शिवलिंग होने की मान्यता प्राप्त है।

सबसे आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि इस शिवलिंग का आकार लगातार हर साल बढ़ रहा है। संभवत: इसीलिए यहां पर हर साल आने पैदल आने वाले भक्तों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। छत्तीसगढ़ी भाषा में हुकारने की आवाज को भकुर्रा कहते हैं, इसी से छत्तीसगढ़ी में इनका नाम भकुर्रा पड़ा है।शिवरात्रि के चलते भुतेश्वरनाथ समिति द्वारा रात्रि में मनमोहने वाला आतिशबाजी किया गया जिसका लुफ्त लोगो के द्वारा उठाया गया।

हमने निभाया लोगों की बेहतर स्वास्थ्य का जिम्मा - मो. अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जनता के लिए बेहतर स्वास्थ्य की सेवा मुहैया कराना हमारी सरकार का सबसे अधिक प्रयास रहा है। हमने न केवल कोविड काल अपितु उससे पूर्व ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए बड़े कदम उठाए हैं। कोविड काल में भी ऑक्सीजन सिलेंडर से लेकर जीवनदायिनी दवाओं और इंजेक्शन की उपलब्धता हमने सुनिश्चित की है। उक्त बातें कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर ने जिला अस्पताल परिसर स्थित नवनिर्मित स्टाफक्वाटर के लोकार्पण अवसर पर कही।

उल्लेखनीय है कि कोरोना की दूसरी लहर में लगभग 300 जम्बो ऑक्सीजन सिलेंडर व उसकी फ्री रिफ्लिंग, 20,000 मास्क का फ्री वितरण, 10,000 पैकेट हर्बल काढा का वितरण, कोविड के सेकेंड लहर के समय रेमडीसीवीर इंजेक्शन समेत अन्य जीवनदायिनी दवाओं की निर्बाध उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, वनाचंल के लिए सेकेंड एएनएम की भर्ती, स्वास्थ्य विभाग के एनएचएम में पेंडिंग विविध रिक्त पदों में भर्ती, जिले में वेन्टीलेटर्स की सेवा शुरू करवाने, जिला अस्पताल में 50 बिस्तर, सुधा देवी आईसोलेनेशन वार्ड में 50 बिस्तर व डेडिकेटेड अस्पताल में 100 बिस्तर का ऑक्सीजन युक्त बिस्तर की परमानेंट व्यवस्था करवाने के बाद अब जिला अस्पताल परिसर में स्टाफक्वाटर की सौगात मंत्री अकबर के प्रयासों से शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग को प्रदाय की गई है।

जिले में स्वास्थ्य विभाग को कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर के प्रयासों से 3 करोड़ 78 लाख से अधिक के अलग-अलग कार्यों की सौगात मिली है।

इसमें प्रमुख रूप से जिला अस्पताल परिसर में स्टाफ के लिए एफ व जी टाइप क्वाटर, झलमला में स्टाफ क्वाटर, 16.57 लाख की खर्च से 50 हजार लीटर पानी टँकी बनकर तैयार है, जिसका विधिवत लोकार्पण गत 28 फरवरी को मंत्री महोदय व अतिथियों के कर कमलों से किया गया। जिला अस्पताल के उन्नयन कार्यों, प्रस्तावित 20 बिस्तर आईसोलेशन वार्ड व 10 बिस्तर जिरियाट्रिक वार्ड का भूमि पूजन, झलमला के नवनिर्मित स्टाफक्वाटर का लोकार्पण भी इस अवसर पर किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए । कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडरिया विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर ने की, नगर पालिका कवर्धा के अध्यक्ष ऋषि शर्मा, क्रेडा के सदस्य कन्हैया अग्रवाल, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नीलू चन्द्रवंशी, जनपद पंचायत बोड़ला के अध्यक्ष श्रीमती अमिता प्रभाती मरकाम, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पार्षद मोहित माहेश्वरी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के रेंगाखार के अध्यक्ष सुमरन सिंह धुर्वे, जिला पंचायत कबीरधाम की सदस्य श्रीमती रामकली हंसराज धुर्वे, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के सदस्य कलीम खान, जिला अस्पताल के जीवनदीप समिति के कार्यकारिणी राजेश माखीजानी, अंकित शर्मा व अनिल दानी, ग्राम पंचायत झलमला के सरपंच अमृत लाल धुर्वे विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

महा शिवरात्रि पर कर्णेश्वर धाम में उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

नगरी। महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही ।ऐतिहासिक कर्णेश्वर महादेव मंदिर देऊर पारा में सुबह से लंबी कतार दिखी ।बोल बम और हर हर महादेव के नारों से पूरा परिसर गूंजता रहा ।मन्दिर के सामने नारियल, धतूरा के फूल,अगरबत्ती, बेलपत्रों की दुकानें सजी रही ।महानदी और बालका के संगम में लोग डुबकी लगाकर शिव जी की आराधना की ।कर्णेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट ने विधि विधान से पूजा अर्चना बेलपत्र, धतूरा, शमी सहित शिव जी के प्रिय फूलो से की गई ।रात्रि में रुद्राभिषेक कर महा आरती की गई ।ट्रस्ट अध्यक्ष विकल गुप्ता ने बताया कि भगवान शिव की रात्रि जिसे पूरा विश्व आस्था के साथ मनाता है कर्णेश्वर धाम जो ग्यारहवीं शताब्दी में राजा कर्णराज द्वारा निर्मित विभिन्न मंदिरों का समूह है यहाँ राम जानकी, गणेश भगवान आदि विराजित है गर्भगृह में विराजित शिवलिंग की महिमा अपरम्पार है निसन्तान दम्पति महा शिवरात्रि के दिन यहा जलाभिषेक कर अपनी याचना करते है ।ट्रस्ट के पूर्व कोषाध्यक्ष नागेन्द्र शुक्ला ने बताया कि कर्णेश्वर धाम में प्रतिदिन पूजा अर्चना व आरती पुजारियों द्वारा की जाती है इसके अलावा यहा वर्ष भर धार्मिक व सामाजिक ,सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते है ।महा शिवरात्रि पर प्रेम जीत छाबड़ा द्वारा खीर वितरण किया गया ।सिहावा विधायक डॉ लक्ष्मी ध्रुव ने कर्णेश्वर महादेव का दर्शन कर क्षेत्र के विकास व सुख शान्ति की कामना की ।मन्दिर प्रागण में इस दौरान नित्यानंद मानस परिवार मैनपुर कला,दिव्य शिवानी मानस परिवार गरिया बन्द,जय माँ भद्रकाली मानस परिवार धमतरी की रामायण मंडलियों ने भक्ति संगीत से सराबोर शिव महिमा का बखान किया।

जिसका बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रसपान किया। ट्रस्ट के संरक्षक कैलाश पवार, उपाध्यक्ष रामप्रसाद मरकाम सचिव ललित शर्मा,रवि दुबे,शिव कुमार परिहार,निकेश ठाकुर,कलम सिंह पवार,छबि ठाकुर,सह सचिव रामभरोसे साहू ,रविठाकुर,मोहन पुजारी,योगेश साहू,प्रकाश बेश,भरत निर्मलकर, अश्वनी निषाद,पवन भट्ट,प्रदीप जैन, प्रेमलता नागवंशी,बबलू गुप्ता ,पंकज ध्रुव, किशन गजेन्द्र,मिलेश साहू महेंद्र कोशल टेश्वर ध्रुव,रवि भट्ट,हनी कश्यप,आदि की उपस्थिति रही।

नवनिहालों को पिलाई पल्स पोलियो की खुराक

कवर्धा। कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर, पंडरिया विधायक ममता चन्द्राकर, नपा अध्यक्ष ऋषि शर्मा समेत अतिथियों ने जिला अस्पताल में जन्मे नवनिहालों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई। इसके पश्चात स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ डॉ शैलेन्द्र कुमार मंडल, सिविल सर्जन डॉ पी सी प्रभाकर, आर एम ओ डॉ पुरषोत्तम राजपूत, डीपीएम सृष्टि शर्मा, हॉस्पिटल कन्सल्टेंट रीना सलूजा, जिला अस्पताल अकाउंटेंट दीपक ठाकुर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अजित राडेकर, हड्डिरोग विशेषज्ञ डॉ आदित्य चंदेल, स्वास्थ्य मीडिया इंचार्ज तूलिका शर्मा समेत अधिकारियों-कर्मचारियों को उत्कृठ कार्यों के लिए जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मंच का संचालन स्वास्थ्य मीडिया प्रभारी तूलिका शर्मा द्वारा किया गया।

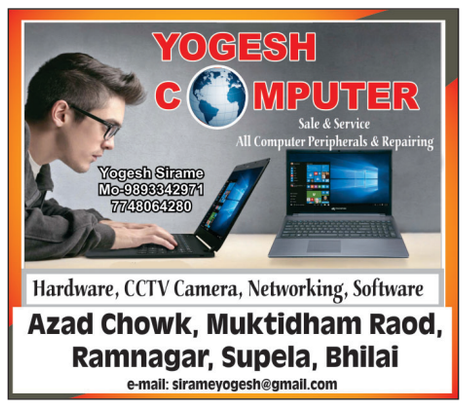

खास-खबर

निलंबन अवधि की राशि ब्याज समेत करे भुगतानः हाई कोर्ट

बिलासपुर (ए)। निलंबन के मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा है कि छोटी सजा में निलंबन अवधि का वेतनभत्ता नहीं दिया जाता है तो वह दुगुनी सजा के रूप में माना जाएगा। लिहाजा याचिकाकर्ता को निलंबन अवधि की पूरी राशि ब्याज समेत लौटाने का आदेश युगलपीठ ने दिया है। साथ ही युगलपीठ ने एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखा है। याचिकाकर्ता मेघराज एनटीपीसी सीपत में कार्यरत थे। उनके विरुद्ध दो आरोप के साथ आरोप पत्र जारी किया गया। साथ ही विभागीय जांच संस्थित करते हुए निलंबित कर दिया गया। विभागीय जांच के बाद एक आरोप को सिद्ध मानते हुए उन्हें उनकी वेतनवृद्धि रोकने का आदेश जारी किया गया। साथ में यह आदेशित किया गया कि याचिकाकर्ता को निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त वेतन एवं अन्य लाभ की पात्रता नहीं होगी। इसके बाद उन्होंन उक्त आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। इस पर सुनवाई के बाद जस्टिस संजय के अग्रवाल की एकलपीठ ने आदेश किया कि याचिकाकर्ता को छोटी सजा दी गई है। अतः स्थायी आदेश की कंडिका 29 के तहत निलंबन अवधि का वेतन व अन्य लाभ से वंचित करने का आदेश गलत है । अतः याचिकाकर्ता को नौ प्रतिशत ब्याज के साथ निलंबन अवधि का समस्त लाभ दिया जाए। इस आदेश के खिलाफ प्रतिवादी ने युगलपीठ के समक्ष एक रिट अपील प्रस्तुत की। प्रारंभिक सुनवाई के बाद एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया गया। याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए अधिवक्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने एक परिपत्र जारी किया है कि यदि आरोप पत्र बड़ी सजा के लिए दी जाए किंतु अंत में छोटी सजा अधिरोपित की जाती है तो कर्मचारी निलंबन अवधि का संपूर्ण लाभ प्राप्त करने का अधिकारी है।

यूएसए के दंपती के बंगले में चोरी सोने-चांदी की मूर्ति चुरा ले गए

रायपुर (ए)। यूएसए गए दंपती के बंगले का ताला तोड़कर चोर लाखों की सोने-चांदी की मूर्तियां चुरा ले गए। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रजनीश पाटनी ने तेलीबांधा थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थी ने बताया कि उनके चाचा आलोक पाटनी दो माह पहले मेरी के साथ यूएसए गए हुए हैं। एक मार्च को पड़ोस में रहने वाले संजय बजाज ने चोरी की घटना की जानकारी दी। संजय ने बताया कि बंगले के सामने के दरवाजे का लाक टूटा हुआ है। रजनीश चाचा आलोक पाटनी के घर को देखने पहुंचे तो पड़ोसी संजय बजाज ने बताया कि बंगले की चाभी उनके पास है। 18 फरवरी को घर की साफ-सफाई के लिए काम वाली को चाभी दी गई थी, लेकिन कुछ दिन बाद किसी अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर चोरी कर ली। हाल में स्थित मंदिर के शो केस में रखी दो नग चांदी की भगवान महावीर की मूर्ति और कमरे के अंदर आलमारी से एक नग सोने की लक्ष्मीजी की मूर्ति और अन्य सोने-चांदी के गहने चोरी हो गए।

गैंगवार के चलते हुई हत्याः

वसीम खान को बचाने का आरोप, पिता बोले- पहले ही दी थी मर्डर की धमकी

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में भूपेश बघेल के प्रवास के दौरान 25 फरवरी को चाकूबाजी और गैंगवार में नाबालिग की हत्या और युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में मुख्य आरोपियों को बचाने का आरोप लग रहा है। मरने वाले युवक के पिता ने वसीम खान और उसके साथियों को बचाने का आरोप लगाते हुए विधायक शैलेष पांडेय से गुहार लगाई है। विधायक ने इस मामले में गृहमंत्री और आईजी से चर्चा की और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने का भरोसा दिलाया है।

सिविल लाइन क्षेत्र के समता कॉलोनी स्थित गार्डन के पास नाबालिगों के साथ ही 25-30 युवकों ने मिलकर नाबालिग नवीन महादेव पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक उदय चक्रवर्ती घायल है और रायपुर में उसका इलाज चल रहा है। हत्या की इस वारदात को पुलिस ने आपसी रंजिश बताकर रफादफा कर दिया और चार नाबालिगों को गिरफ्तार कर खानापूर्ति कर ली है। वसीम खान को कांग्रेस के कुछ नेताओं का संरक्षण प्राप्त है इसलिए पुलिस सीधे उस पर कार्रवाई करने से बच रही है।

वसीम खान का लिया है नाम

इस घटना के बाद घायल उदय का वीडियो सामने आया था। जिसमें उसने वसीम खान पर चाकू मरवाने और हत्या का षडयंत्र रचने का आरोप लगाया है। आरोप है कि वह युवकों को लेकर बुलेट में वहां पहुंचा था। इसके बाद भी पुलिस उसे बचाने का प्रयास कर रही है। इधर, हत्या में अपना नाम आने के बाद वसीम खान ने पुलिस अफसरों से मुलाकात की। उसने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम और स्वागत के दौरान उपस्थिति बताकर वीडियो और सीसीटीवी फुटेज दिया है। उसका कहना है कि उसे बेवजह फंसाया जा रहा है और वह निर्दोष है। लेकिन, हत्या करने वाले नाबालिगों के साथ उसकी कई तस्वीरें भी है। जिसमें वह राजनीतिक लोगों के बीच नाबालिगों के साथ दिख रहा है। दरअसल, हत्या के पीछे शहर के दो गैंग के वर्चस्व की लड़ाई को कारण बताया जा रहा है। जिसकी हत्या हुई है और चाकू मारकर जिस युवक को घायल किया गया है। वह मैडी उर्फ रितेश निखारे ग्रुप का है। जबकि, मारने वाले वसीम खान और उसके गैंग के हैं। बताया जा रहा है कि उनके बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है।

पत्नी के तानों से नाराज पति ने उतारा मौत के घाट फिर किया आत्मसमर्पण

रायपुर (ए)। पत्नी की हत्या कर जब एक हत्यारा पुलिस थाने पहुंचा तो वहां मौजूद थाना प्रभारी के साथ ही अन्य पुलिस कर्मी चौंक गए। कुछ देर तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि एक हत्यारा आत्मसमर्पण करने खुद थाने पहुंच गया। हालांकि जब आरोपित ने पुलिस को सारी कहानी बताई तो तत्काल घटनास्थल लेकर पहुंची।

जब वहां देखा तो पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर आरोपित को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। यह मामला छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पंडरी थाना इलाके के लोधीपारा चौक स्थित जय हिंद चौक में पति द्वारा पत्नी को मामूली बात पर गला घोंटकर मौत के घाट उतारने का मामला सामने आया है।

मामले की जानकारी देते हुए पंडरी थाना प्रभारी उमाशंकर राठौर ने बताया कि आरोपित खगेश्वर प्रसाद कोसरिया (26) और मृतक नंदना कोसरिया (27) की एक वर्ष पहले ही शादी हुई थी। मृतका और आरोपित दोनों ही भिलाईगढ़ की रहने वाली थी। मंगलवार देर शाम मामूली बात पर अपने निवासस्थल पर ही आरोपित ने पत्नी को गला घोंट कर मौत के घाट उतार दिया। थाना प्रभारी राठौर ने बताया कि घटना की सूचने मिलते ही आरोपित को तत्काल गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपित ने हत्या करने की वजह पत्नी द्वारा भाग कर शादी करने के लिए कोसने और हर्षोल्लास के साथ शादी समारोह का आयोजन ना करवाने की बात पर ताना कसना बताया है। आरोपित ने बताया कि वह एक विवाह समारोह में गया था, जहां से उसने अपनी पत्नी को वीडियो काल कर शादी का माहौल दिखाया तो पत्नी ने गुस्से में उसे ताने देने के साथ कोसना शुरू कर दिया। इस बात से नाराज होकर आरोपित ने यह कदम उठाया।

शख्स की हत्या कर भेष बदल लिया

बालोद में मर्डर करके दुर्ग में छिपा था आरोपी, 28 साल बाद हुआ गिरफ्तार

भिलाई। बालोद जिले की गुरुर पुलिस जिस हत्या के आरोपी को 28 सालों से तलाश कर रही थी वह पड़ोसी जिले दुर्ग में मिला। आरोपी हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद नेवई थाना क्षेत्र नेवई खदानपारा मोहल्ले में भेष बदलकर रह रहा है। गुरुर पुलिस ने उसे मंगलवार को गिरफ्तार किया और अपने साथ बालोद लेकर गई।

गुरुर थाना टीआई रोहित मालेकर ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सोरर में आज से लगभग 28 वर्ष पूर्व वहां के रहने वाले बलराम उर्फ बल्ला जोशी ने गांव के ही चंद्रिका यादव की हत्या कर दी थी। इससे पहले की पुलिस उसे गिरफ्तार कर पाती वह गांव छोड़कर भाग गया। पुलिस ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन वह फिर कभी गांव लौटकर नहीं आया। तब से लेकर न जाने कितने भी थाना प्रभारी और पुलिस के आला अधिकारी बदले। सभी ने इस हत्या के

केस के फरार आरोपी बल्ला को गिरफ्तार करने की पूरी कोशिश की, लेकिन कोई उसका पता नहीं लगा पाया। पुलिस द्वारा गिरफ्तारी न किए जाने पर न्यायालय ने साल 2005 में आरोपी बलराम उर्फ बल्ला जोशी के खिलाफ बेमियादी वांरट भी जारी किया, लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। बल्ला का पता लगाने में जहां पुलिस के सभी आधुनिक और खुद के संपर्क व यंत्र काम नहीं आए, वहां उनके खुफिया तंत्र ने कमाल कर दिया। पुलिस के एक मुखबिर ने बल्ला का ठिकाना ढूंढ निकाला। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई। इसके बाद उन्होंने नेवई बस्ती पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

नारी निकेतन से महादेवघाट नहाने गई महिला की डूबने से मौत

रायपुर (ए)। महाशिवरात्रि के मौके पर महादेव घाट में हादसा हो गया। खारुन नदी में मंगलवार को डूबने से 36 साल की महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची डीडी नगर पुलिस ने नदी से शव बरामद किया। जानकारी के अनुसार युवती महाशिवरात्रि के मौके पर महादेव घाट गई थी। नहाने के दौरान यह अनहोनी हुई। वह नदी की तेज धार में बह गई थी। वहीं गहराई में पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। डीडी नगर थाना पुलिस केस दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है। डीडी नगर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान 36 वर्षीय अमलेश्वर निवासी तृप्ति शर्मा के रूप में हुई है। वह नारी निकेतन में रह रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तृप्ति और श्रद्धा शर्मा दोनों जुड़वां बहने हैं। दोनों के बीच में अक्सर लड़ाई-झगड़ा होता रहा है, जिसकी वजह से ढाई महीने पहले वह नारी निकेतन में आकर रहने लगी थी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

पेंशन अदालत का आयोजन

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों/अशक्तता पेंशन/पारिवारिक पेंशनर की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में 15.03.2022 को प्रातः 11 बजे पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। यदि आपको सेवानिवृत्ति के पश्चात मिलने वाले बकाया निपटान (पेमेन्ट ऑफ सेटलमेंट डॅयूज) से संबंधित अथवा पेंशन भुगतान संबंधी कोई शिकायत है, तो आप अपना अभ्यावेदन दो प्रतियों में दिनांक 10.03.2022 तक प्रस्तुत करें। न्यायालय में लंबित प्रकरण, नियुक्ति तथा अन्य नीतिगत मामलों को पेंशन अदालत में शामिल नही किया जायेगा। सेवानिवृत्त वे सभी कर्मचारी जिन्हे इस संबंध में अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करने है, वे अपने आवेदन पत्र वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर न्यु डी.आर.एम. आफिस खमतराई रायपुर (छ.ग) 492008 के कार्यालय में दिनांक 10.03.2022 के पूर्व निम्नलिखित प्रारुप में जमा कर दें।

आवेदन का प्रारुप

1	पी.पी.ओ. क्रमांकः	
2	सेवानिवृत्त कर्मचारी का नामः	
3	पदनाम (सेवानिवृत्त/अशक्तता पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर के समय):	
4	मंडल/युनिट का नाम/अंतिम कार्यस्थल	
5	विभागः	
6	मंडल/कार्यालयः	
7	अंतिम वेतनः	
8	सेवानिवृत्त/अशक्तता/मृत्यु का दिनांकः	
9	मोबाईल/टेलीफोन नंबरः	
10	पत्राचार के लिए पताः	
11	सेवानिवृत्त/अशक्तता पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर के शिकायत का विस्तृत विवरणः	

नोटः- (पी.पी.ओ. एवं सेवा प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करें)

आवेदक के हस्ताक्षर

पीआर/आर/सीनि.डीपीओ/एपी/161

South East Central Railway @secrail

पर्यटन विभाग के कर्मचारी से एक लाख की ठगी, एनीडेस्क एप से निकाले पैसे

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग में कार्यरत वरिष्ठ प्रबंधक से आनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। एनीडेस्क एप डानलोड करवा कर ठगी की गई। राजेंद्र नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। अज्ञात ठग की तलाश में पुलिस और साइबर की टीम लग गई है।

मोबाइल नंबर पोर्ट कराने के नाम पर उलझाया

राजेंद्र नगर थाने में श्रवण दास ने धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। छह फरवरी को श्रवण दास के मोबाइल नंबर पर अज्ञात नंबर से फोन आया। मोबाइल पर कहा गया कि मोबाइल नंबर जीओ में पोर्ट करवाया गया है। जो वेरीफाई नहीं होने की वजह से बंद हो जाएगा। वेरीफाई करने के लिए एनीडेस्क एप मोबाइल में डाउनलोड करवाया गया। इसके एक दिन बाद खाते से दो बार में एक लाख रुपये कट गए।

नये लुक एवं वैरायटी में सागौन लकड़ी द्वारा निर्मित
अरिहंत फर्नीचर शो रुम | नमन सेल्स फर्नीचर शो रुम
20% डिस्काउंट के साथ उपलब्ध
• सागौन निर्मित इूरियन मॉडल , वॉल मॉडल, डी मॉडल गुजराती सोफा
• लक्जरी सोफा 9500/- से शुरु (गारंटी के साथ)
• लक्जरी पलंग हाई क्वालिटी के साथ
• स्टील आलमारी आटोमेटिक प्लांट द्वारा निर्मित, भट्टी पेंट वाली
• कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस टेबल , ट्रेसिंग टेबल कमप्यूटर चेयर ऑफिस चेयर इत्यादि की वैरायटी
आजाद मार्केट, रिसाली (भिलाई मसाला उद्योग के पीछे), भिलाई, मो. 9424151009, 9301188428

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

MemSaheb Ladies wear
JOCKEY UNDERWEAR IS OUR PASSION
JULIET
Shop No. 57, A Market, Sec-6 Bhilai
Om Prakash 9926004441, 0788-2284341

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

मिस एंड मिसेस लेडिस वेयर
• गाऊन • ब्रा. पेन्टी • नाईटी • ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

न्यू अप्सरा साड़ी सेन्टर
घाघरा, चुन्नी, कुर्ती, डिजाइनर साड़ियां सलवार सूट
सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
शॉप 151, ए-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन-2284063

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज मार्केट एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज भिलाई के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन एवं भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में काफी हाउस सुपेला में होलसेल कारीडोर के संदर्भ में भिलाई के सभी मार्केट एसोसिएशन की बैठक ली गई। जहां मार्केट एसोसिएशन के सभी प्रतिनिधियों ने विस्तार से अपनी अपनी बात सार्थक रूप में रखी। बैठक मे सब्जी मार्केट, फ्लमण्डी,अनाज मंडी, सराफ़ा बाजार, रेडिमेट, कपडा, मोबाइल, कम्प्यूटर, आदि अनेक मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया। चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने इस विषय को लेकर व्यापारियों से चर्चा की एवं होलसेल कारीडोर के अर्थ को समझाया। भिलाई चेम्बर की टीम एवं युवा चेम्बर की टीम के साथ मार्केट के सभी व्यापारियों की दुकानों के व्यापारी भिलाई चेम्बर के चेयरमैन भीमसेन सेतपाल, शमनलाल नथानी, दिलीप गोलछा, धीरेंद्र खैत्रपाल, मनोज बत्यानी, राकेश मल्होत्रा, चिन्ना राव, विनय सिंह, सुधाकर शुक्ला, शिवराज शर्मा, विनय सिंह, प्रेमरतन गहलोत, पवन जिंदल, राज कुमार जायसवाल, मनीष अग्रवाल, संजय नायक, अमीत पाण्डेय, रवि सिंह, अरविंद गुप्ता, मनोज माखीजा, विजय गुप्ता, संतोष गेहानी, सतीश बाघमार, प्रकाश माखीजा, अंकित जैन, दिनेश जांगड़े, राहुल चेलानी, युवा टीम प्रभारी दिलीप केसरवानी, सुनील मिश्रा, हरिश शर्मा, रवि विजवानी, अक्षय गुप्ता, अंकित बंसल, गुलशन ग्रोवर आदि सम्मिलित रहे। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कार्यालय प्रभारी सुनील मिश्रा ने दी।

दुर्गराज ढीमर समाज ने किया राजेश ताम्रकार का सम्मान

दुर्ग। दुर्ग राज ढिमर समाज के तत्वाधान मे कोटनी पंचायत मे महाशिवरात्रि का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि पूर्व पार्षद एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पुर उपाध्यक्ष राजेश ताम्रकार का सम्मान सामाजिक चिन्ह प्रदान कर किया गया। सम्मान करने वाले समाज के अध्यक्ष दासू ढीमर, प्रदीप सपहा, अग्राहीज ढीमर, कमलेश फेकर, पार्षद खिलावन मटियारा, नगपुरा के सरपंच भूपेन्द्र रिगरी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विशेष अतिथि राजेश ताम्रकार ने समाजिक बंधुओ को सम्बोधन किया करते हुए कहा कि ढीमर समाज के समाजिक भवन निर्माण से लेकर कोटनी मे मंदिर निर्माण तक आपका सहभागी रहा हूं। भविष्य मे इस समाज के उत्थान के लिऐ मै हमेशा संकल्पित रहुंगा। कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। इसके पूर्व भगवान भोलेनाथ का पूजन किया गया था महाप्रसादी का वितरण किया गया।

नये एपीएल एवं बीपीएल राशन कार्ड बनाने हेतु लगाये गये शिविर के अंतिम दिन तक 694 हितग्राहियो ने दिये आवेदन

दुर्ग। नगर पालिक निगम/शासन के आदेशनुसार एवं आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर शहर सीमा क्षेत्रअंतर्गत छूटे हुए लोगों को राशन कार्ड एपीएल एवं बीपीएल परिवारों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है। इस शिविर में हितग्राही इसका लाभ उठा रहे है। जिसमें छूटे हुए लोगों को राशन कार्ड बनवाने एवं पेंडिंग राशन कार्ड का निराकरण कराने के लिए हितग्राही आवदेन लेकर है शिविर पहुँच रहे है। ओबीसी सर्वे में छूटे लोग यहां भी शिविर में आवेदन स्वीकार किए जा रहे है।प्रभारी राजस्व अधिकारी नारायण यादव ने बताया कि आज शिविर के अंतिम दिन में एपीएल,14 बीपीएल 28,अन्त्योदय 1 और नि:शक्त -0 कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए है।

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति ने निकाली सैकड़ों झांकियों के साथ शिवजी की बारात, हजारों भक्त हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाशिवरात्रि के मौके पर भिलाई में भोलेबाबा की बारात निकाली गई। इंदिरा नगर हथखोज से शुरू होकर बाबा भोलेनाथ की भव्य बारात ट्रांसपोर्टनगर रोड, केनाल रोड, बोल बम चौक, नंदी तिराहा होते हुए जोन 1 व जोन 2 एप्रोच रोड़ से निकलकर दुर्गा मंच पर समाप्त हुई। इस बार शिव की बारात में खास आकर्षण लेजर शो का रहा। आसमान में शानदार लाइट के साथ हर हर महादेव व जय श्रीराम का जयघोष देखने को मिला।

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा निकाली गई बाबा की भव्य बारात मुख्य आकर्षण केनाल रोड पर दिखा।

जीरो प्वाइंट से जैसे ही बारात केनाल रोड खुर्सीपार में दाखिल हुई लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। इस दौरान केनाल रोड़ के दोनों ओर बाबा की बारात देखने लोगों को भारी भीड़ जमा हो गई। रंगारंग आतिशबाजी के साथ बाबा की बारात के साथ देवी देवता, भूत पिशाच सभी झूमते गाते चल रहे थे।

केरल व आंध्रप्रदेश के साथ प्रदेश की 121 झांकियां

बाबा की बारात में केरल व आंध्र प्रदेश के साथ ही प्रदेश की 121 झांकियों को स्थान दिया गया। इसमें आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के कलाकारों ने देवी देवताओं के रूप के रूप में आकर्षक दिखे। वहीं केरल के कलाकारों ने भी अपना कल्चर दिखाया। इसके अलावा बारात में शिव पार्वती, भूत पिशाच, देव दानव व बंदर भालू की वेशभुषा में कई कलाकार दिखे। बारात के साथ केरल की 6 झांकिया शामिल हुई जिसमें शिव पार्वती, गणेश, हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं के स्वरूप में कलाकार दिखे।

इसके अलावा विजयवाडा आंध्रप्रदेश से भी इस बार 6 अलग-अलग झांकियां शामिल की गई। इन झांकियों में भी भगवान के विभिन्न रूप दर्शाए गए। इसके अलावा छत्तीसगढ़ दुर्ग-भिलाई, रायपुर, राजनांदगांव, बालोद-बेमेतरा आद जिलों से 121 झांकिया शामिल की गई।

रामदरबार व भगवान श्रीकृष्ण की लीला भी दिखी

शिव की बारात में रामदरबार, श्रीकृष्ण लीला, हनुमान, शिव तांडव स्वरूप, शिव -पार्वती विवाह, शेषनाग, नरसिंह अवतार, मां काली का स्वरूप, राधाकृष्ण की प्रेमलीला की झांकियों ने भी लोगों को आकर्षित किया। बारात में राउत नाचा, अखाड़ा, पंथी नृत्य, डीजे, घुमाल व बैंड की धुन के साथ नाचते गाते भक्त जोन-2 दुर्गा मंच के पास शिव पार्वती के विवाह में शामिल हुए।

जनप्रतिनिधियों को दिए स्मृति चिह्न

बारात निकालने से पहले बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह द्वारा बारात में शामिल होने पहुंचे जनप्रतिनिधियों को स्मृतिचिह्न भी भेंट किया। इस दौरान मंच पर दुर्ग के सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री राम सेवक पैकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस मौके पर दया सिंह ने बारात में पहुंचे सभी लोगों को अभवादन किया और इसके बाद बारात निकली।

पॉलीथिन विक्रय करने वालों के खिलाफ हुई कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम, भिलाई क्षेत्रांतर्गत प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय करने वालों पर नजर रखते हुए उन पर कार्रवाई की जा रही है। भिलाई शहर को प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए निगम की टीम लगातार कार्रवाई कर ही है। प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रय एवं उपयोग पर लगाम लगाने निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इस कार्य के लिए टीम का भी गठन किया है।

टीम में संलग्न कर्मचारी झिल्ली, पन्नी, सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक पर कार्रवाई कार्रवाई कर रहे है। गठित दल के अंजनी सिंह ने बताया कि निगम की टीम ने रात्रि में बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया और प्रतिबंधित प्लास्टिक का विक्रय करते हुए पाए जाने पर 9 दुकानदारो से 10400 अर्थदण्ड वसूल करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक को जप्त किया। निगम प्रशासन द्वारा गठित टीम ने सार्वजनिक स्थानों, व्यवसायिक परिसर, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन तथा व्यावसायिक क्षेत्रों और बाजार क्षेत्रो में प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रय और उपयोग करने वालों को लेकर शहर का निरीक्षण किए और अर्थदण्ड वसूलने की कार्रवाई किए। कार्रवाई के लिये गठित टीम ने पूजा स्वीट्स सुपेला से 500 रू, अमित टेडर्स से 5000 रू, डीएनके सुपेला से 1000 रू, जगदीश साहू से 200 रू, कैलाश गुप्ता से 1000 रू, मदन मोहन से 1000 रू, साहू दोना पत्तल से 1000 रू, राजेश फ्ल ठेला से 200 रू, ओमप्रकाश गुप्ता से 500 रू, जुर्माना वसूलने के साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं कैरी बैग को जप्त किया। उल्लेखनीय है कि प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट नियम 2016 के तहत सिंगल यूज प्लास्टिक का विक्रय और उपयोग, परिवहन, उत्पादन एवं भण्डारण करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। प्रतिबंधित प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से सभी वाकिफ है। इसे नष्ट करना कठिन है और मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण आदि को भी बढ़ावा देता है।

ब्रांड एंबेसडर जगाएंगे शहरों में स्वच्छता की अलख

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम।आज महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त हरेश मंडावी,सभापति राजेश यादव प्रभारी सदस्य हामिद खोखर ने 54 स्वच्छता एम्बेसडरो के साथ स्टेशन रोड होटल सागर इंटरनेशनल में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजित किया। स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान द्वारा मंच का संचालन करते हुए स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर कार्यशाला में शामिल हुए नगर निगम के नव नियुक्त स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरो का अभिनन्दन किया।

कार्यशाला आयोजन में मौजूद वरिष्ठ चिकित्सक अधिकारी श्रीमती रश्मि भूरे,क्षितिज चंद्राकर ,विजय अग्रवाल, ,राजेन्द्र पाल भाटिया,डॉ शरद पाटनकर,नव भारत ब्यूरो चीफ राजेन्द्र सिंह चौहान,फ़ज़ल फ़ारुकी,आयशा अहमद,दिलीप सिंह,रवि प्रकाश ताम्रकार, रमेश पटेल,प्रीतम यादव के अलावा विकास पांडे,संजय ठाकुर,पत्रकार धनेंद्र चंदेल,डॉ विश्वनाथ पाणिग्रही, रामदास खत्री, डॉक्टर एकता चंद्राकर,सुश्री पायल जैन,श्रीमती नविता शर्मा,रोहित ताम्रकार,दर्शन जैन श्रीमती उर्वशी साहू श्रीमती एलिजाबेथ राय, राजकुमार तिवारी, प्रवीण पुतला,प्रवीण तिवारी,श्रीचंद लेखवानी,श्रीमती झरना गुप्ता,कनक अग्रवाल मोहम्मद आदिल गर्ग,सभी लोगो ने दुर्ग को अव्वल लाने के लिए अपने अपने बेहतर सुझाव को सांझा किया गया। इस बार नागरिकों की स्वच्छता सर्वेक्षण में ब्रांड एम्बेसडर करेगे स्वच्छता में लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों की गिनती भी की जाएगी। इसके लिए निगम जोरशोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्वच्छता की अलख के लिए निगम ने कमर कस ली है।स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के लिए इस बार वरिष्ठ नागरिकों की स्वच्छता में उपस्थिति मायने रखेगी। जिसे देखते हुए जन-जन को स्वच्छता अभियान से जोड़ने के लिए निगम ने 54 ब्रांड एंबेसडरो नियुक्त किया गया है। ब्रांड एंबेसडर शहर को स्वच्छता के लिए जागरूक करने का काम करेंगे।ब्रांड एंबेसडरों ने कहा हम सब जन जागरूकता फैलाना है,हम नागरिको ज्यादा से ज्यादा इसमे जोड़ना है,उ उद्देश्य से निगम द्वारा ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है।वार्ड नागरिको के द्वारा जैसे गीला सूखा कचरा अलग अलग नही दिया जाता,बाजार क्षेत्र में व्यवसाय द्वारा कचरा इधर उधर सड़क पर फैलना इसे लोगो को एम्बेसडर सुधारेंगे, डोर टू डोर कचरा निगम के रिक्शा गाड़ी को देने के लिए अपील करेंगे अगर ऐसा नही करते है तो निगम अर्थदंड करेगे। नागरिको को समझाने का प्रयास किया जाए एंबेसडरों ने कहा कि स्वच्छता सफ़ाई दरोगा और वार्ड के सुपर वाईजारो का नम्बर वार्डो के चिन्हित दीवारों पर उनका नम्बर अंकित किया जाए ।

साई कालेज, सेक्टर 6 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 28 फरवरी 2022 को साईं कॉलेज , सेक्टर-6 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया।इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, वर्किंग/स्टैटिक मॉडल आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन तथा सरस्वती वंदना के द्वारा किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय एसएस महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. के.के. शर्मा ने इस अवसर पर छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं तकनीकी से संबंधित जानकारियां दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.बी. तिवारी के द्वारा छात्र छात्राओं को विज्ञान के अनुसंधान कार्यों में अग्रणी रहने हेतु प्रेरित किया गया।

डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ममता सिंह द्वारा भी विज्ञान की महत्ता एवं उपयोगिता को समझाया गया संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. रूपा चक्रवर्ती सहायक प्राध्यापिका रसायन शास्त्र के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के सभी प्राध्यापक डॉ. सोनल खंडेलवाल,डॉ प्रतिभा गुमास्ता,श्रीमती शशि साहू, डॉ.समन सिद्दीकी, कु दिव्या दुबे तथा कु सिंधु बंजारे आदि सभी उपस्थित रहे।

पीस ऑडीटोरियम में शिव ध्वजारोहण कर मनाया गया 86 वीं शिव जयंती पर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा वैशाली नगर क्षेत्र में आयोजित पांच दिवसीय आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष एवं महाशिवरात्रि महोत्सव लोक आंगन परिसर में 'नई अनुभूति की नई दिशा' भव्य अभूतपूर्व झांकी के चौथे दिन उमड़ा जन सैलाब।

प्रदर्शनी में सूट बूट में चिंटू नामक बालक जगह जगह अपना इस शिवरात्रि पर जीवन परिवर्तन एवं राजयोग मेडिटेशन को अपने दिनचर्या में शामिल करने का संदेश दे रहा है। झांकी सर्व के दर्शनार्थ निशुल्क आज अंतिम दिन

संध्या 6:30 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक रहेगी। इस अवसर पर गुरुवार 3 मार्च से निशुल्क दस दिवसीय शांति व शक्ति अनुभूति शिविर मन कि शांति जीवन की शक्ति राजयोग शिविर प्रात: 7:30 से 8:30 बजे तक एवं संध्या 7:30 से 8:30 बजे तक लोकांगन परिसर में रहेगा।

गनियारी लोककला महोत्सव में बिखरे संस्कृति के विविध रंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई-3। गनियारी लोककला महोत्सव में पारम्परिक कला और संस्कृति का विविध रंग देखने को मिला। इस दो दिनी आयोजन में देश के साथ ही छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने अलग-अलग विधाओं में मंचीय प्रस्तुति देकर अपनी कला और संस्कृति से दर्शकों को अवगत कराया। मध्यप्रदेश का गुदुम बाजा और महाराष्ट्र की लावणी नृत्य ने कार्यक्रम में मौजूद हर किसी का मन मोह लिया।

गुरु घासीदास कला एवं साहित्य विकास समिति द्वारा संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से भिलाई-चरोदा नगर निगम क्षेत्र के गनियारी गांव में दो दिनी लोककला महोत्सव का आयोजन 26 व 27 फरवरी को किया गया। गनियारी लोककला महोत्सव के नाम से होने वाले इस आयोजन के जनक भिलाई-चरोदा महापौर एवं गुरु घासीदास कला एवं साहित्य विकास समिति के अध्यक्ष निर्मल कोसरे हैं। इस महोत्सव के दोनों दिन छत्तीसगढ़ राज्य सहित अन्य प्रांतों से आए हुए लोक कलाकारों ने अपनी कला और संस्कृति का विविध रंग बिखेरते हुए दर्शकों को झूमने में मजबूर कर दिया।

गनियारी लोककला महोत्सव का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय पंडवानी गायिका पद्म भूषण डॉ तीजन बाई ने किया। अध्यक्षता मुख्यमंत्री के ओएसडी मनीष बंछोर ने की। आयोजन के प्रथम दिवस सत्य के अमर ज्योति पार्टी भेलवाडीह रायपुर की चौका आरती, भर्री गांव बालोद की रामधुनी झांकी, पिटौरा दुर्ग की पंथी नृत्य, मीना साहू एवं साथी रनचिरई बालोद की पंडवानी, चंपारण गरियाबंद का राऊत नाचा, कोदवा बेमेतरा का डंडा करमा, महेन्द्र निषाद एवं साथी तरौद बालोद का हास्य प्रहसन एवं कु आरु साहू एवं साथी जोगीडुला जिला धमतरी की मंचीय प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ की पारम्परिक कला और संस्कृति की अनुपम छटा देखते बनी। इसके अलावा सुनील सोनी नाइट रायपुर के द्वारा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के 27 फरवरी को समापन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता पद्मश्री डॉ आर एस बारले, विशिष्ट अतिथि सुश्री अमृता बारले, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष जवाहर वर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर दानी राम बंजारे एवं साथी मर्रा दुर्ग की गोपी चंदा भजन, कांकेतरा राजनांदगांव का रामायण, नाथू नवागांव राजनांदगांव की पंथी नृत्य, मुंदगांव डोंगरगढ़ की देवी जस झांकी, सिहावा धमतरी का आदिवासी नृत्य, बकली धमतरी का फाग गीत, निपानी बालोद का नाचा गम्मत एवं रामविलास खुंटे जांजगीर के द्वारा सतनाम भजन प्रस्तुत किया गया। अंत में गुरूर निवासी दुष्यंत हरमुख के नेतृत्व में लोक संगीत समूह रंग झरोखा की प्रस्तुति ने गनियारी लोककला महोत्सव को यादगार बना दिया।

महापौर एवं गुरु घासीदास कला व साहित्य विकास समिति के अध्यक्ष निर्मल कोसरे ने अतिथियों और आए हुए लोक कलाकारों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दोनों दिन निगम के पार्षद एवं अन्य जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीणों ने अपनी सहभागिता देकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति के सदस्य गण पूर्व पार्षद धर्मेन्द्र कोसरे, हेमंत कोसरे, सवल राम बंधे, राजकुमार गायकवाड़, सुरेश टंडन, डोमन लहरे, राजू लहरे, टोमन जोशी, मूलचंद टंडन, चैत रिगरी,

विजय रिगरी, बुधारू बंधे, मिलऊ कोसरे, कृपाराम बंजारे, आत्मा बंजारे, सौरभ मिश्रा, गणेश यादव, कामता साहू, आकाश टंडन, सोनू बंजारे सहित सैकड़ों ग्राम वासी उपस्थित रहे।

रिटायर कर्मियों की पेंशन संबंधी समस्या दूर करने पीएफ दफ्तर में बैठेंगे समन्वयक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एनएमडीसी रिटायर्ड एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ का चौथा वार्षिक मिलन समारोह रविवार 27 फरवरी को हुआ। मुख्य अतिथि अभिषेक कुमार रीजनल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर, छत्तीसगढ़ राज्य थे वहीं अध्यक्षता वी.एस. ओहरी वयोवृद्ध सम्मानीय सदस्य ने की। अस्वस्थ होने के कारण आरके तिवारी नियमित अध्यक्ष नहीं आ पाए थे।

मुख्य अतिथि अभिषेक कुमार ने एसोसियेशन की गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वृद्धजनों के कल्याण हेतु, जो कुछ भी किया जा रहा है वह अत्यधिक प्रशंसनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशनरों की पेंशन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए सुरेश ठाकुर को समन्वयक नियुक्त किया गया है। महासचिव एलएम सिद्दीकी ने अपने प्रतिवेदन में बताया कि इंश्योरेंस संबंधी दिक्कतों के लिए अखिल भारतीय एनएमडीसी रिटायर्ड एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन लगातार मैनेजमेंट से आग्रह किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक जनवरी 2007 के पूर्व रिटायर साथियों को पेंशन अथवा कोई अन्य सुविधा देने के लिए प्रयास जारी है और सभी रिटायर साथियों हेतु सामाजिक कल्याण योजना शुरू करने विशेष तौर पर नियमित कर्मचारियों की तरह रिटायर कर्मियों को भी चश्मा अथवा लेंस खरीदने हेतु 8,000/-वार्षिक की अनुमति मांगी है। कुछ सार्वजनिक उपक्रमों की तरह रिटायर कर्मियों को प्रत्येक पांच वर्ष में एक निश्चित रकम देने की योजना पर अमल किया जाए। राजधानी रायपुर में एसोसियेशन को एक मंगल भवन की भी मांग की गई। इस अवसर पर एसोसियेशन द्वारा स्मारिका का विमोचन सामूहिक रूप से अभिषेक कुमार, वी.एस. ओहरी और एल.एम. सिद्दीकी ने किया।

इस दौरान एनएमडीसी को नींव से शिखर तक पहुंचाने में अपनी अहम भूमिका अदा करने वाले तीन भूतपूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पीसी गुप्ता, पीआर त्रिपाठी और बी रमेश कुमार की फोटो प्रदर्शित करते हुए उनके स्वस्थ्य एवं सुखी जीवन की कामना की गई। वहीं 80 वर्ष से ऊपर सम्मानीय सदस्य बीबी मेहता, केसी विश्वास, जे हेनरी परते एवम लिखन लाल का स्वागत सुजय कुमार, टीकाराम साहू, एस आचार्या एवं के एस ठाकुर ने किया। इन सभी का शॉल एवं फ्ल से सम्मान किया गया।

वहीं दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता कर रहे वीएस ओहरी का 90 वां जन्मदिन आगामी 30 सितंबर को एसोसिएशन की ओर से मनाने का फैसला लिया गया। संगठन में विशेष योगदान के लिए महासचिव एलएम सिद्दीकी का सम्मान जीपी सिंह और बीजे पटनायक ने किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950